

वर्ष - 12, अंक - 31

सितंबर, 2019 -सितंबर, 2020 (संयुक्तांक)



रेल एशिया



- आसनसोल मंडल की
राजभाषा पत्रिका



'राजभाषा सारथी' फोटो पुस्तिका का लोकार्पण करते महाप्रबंधक श्री सुनील शर्मा के साथ भरेन्द्र श्री सुमित सरकार



माननीय सांसद श्री बाबूल सुप्रियो 'बाउ भोजन/रेस्ती ऑन द हवील' का उद्घाटन करते, साथ में भरेन्द्र श्री सुमित सरकार



सुप्रसिद्ध कवयित्री सुश्री साक्षी तिवारी को सम्मानित करते भरेन्द्र श्री सुमित सरकार



राजभाषा प्रदर्शनी में प्रथम स्थान हेतु धर्मसूत्रा श्री चंद मोहन मिश्र को सम्मानित करते भरेन्द्र श्री सुमित सरकार, साथ में ब्रजकाशीन अमर मुराधि एवं कर्माग्रि श्री मनीष और राधि डी. मधुसूदन दत्त



74वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर संबोधित करते भरेन्द्र श्री सुमित सरकार



संरक्षक की कलम से : ✍

वर्तमान कोरोना-काल और अन्य आकस्मिक आपदाओं/बाधाओं के बीच भी हमारा आसनसोल मंडल अपने दायित्वों को लेकर सदैव प्रतिबद्ध रहा है। कोरोना-काल के वर्तमान परिदृश्य में मंडल ने इस महामारी से निपटने के लिए कई कोचों को 'आइसोलेशन कोच' के रूप में विकसित किया है। यांत्रिक विभाग द्वारा अपने उपलब्ध संसाधनों से सेनेटाइजर का पर्याप्त उत्पादन किया गया और विभिन्न क्षेत्रों में वितरित किया गया। मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर आधुनिक थर्मो-एनालाइजर लगाए गए। विभिन्न कार्यालयों और स्टेशनों में अवांछित प्रवेश पर सख्ती से रोकथाम की गई है। श्रमिक और विशेष ट्रेनों के यात्रियों के लिए पर्याप्त सुख-सविधा का ख्याल रखा गया। कोरोना से बचाव संबंधी उपायों को लेकर कार्मिकों को अनेक स्तरों पर प्रशिक्षित किया गया। कार्यालयों में शारीरिक दूरी का ख्याल रखते हुए आवश्यक कार्यों को निपटाया जा रहा है। हाल ही में बंगाल में 'अम्फन' तूफानग्रस्त सुदूर गांवों में 'भारत स्काउट्स एवं गाइड्स' के कार्यकर्ताओं द्वारा आवश्यक राहत सामग्री पहुंचाई गई है। इसके लिए हमारे मंडल के कार्मिकों ने स्वेच्छ से वित्तीय सहभागिता निभायी है।

इस प्रकार पूर्व रेलवे के इस महत्वपूर्ण मंडल ने कई मोर्चों पर अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराई है।

इसी परिप्रेक्ष्य में एक रचनात्मक उपलब्धि के रूप में मंडल की राजभाषा पत्रिका 'रेल रश्मि' के 31 वें अंक को आप लोगों के समक्ष प्रस्तुत करते हुए हमें अपार हर्ष महसूस हो रहा है। 'रेल रश्मि' की रचनात्मक विकास-यात्रा में एक नया स्वर्णिम अध्याय भी जुड़ने जा रहा है, क्योंकि इसी 31वें अंक के साथ 'रेल रश्मि' की सॉफ्ट कॉपी भी पूर्व रेलवे के प्राधिकृत वेबसाइट से लिंक की जा रही है, ताकि इसका व्यापक प्रचार-प्रसार सहज भाव से हो सके।

शुभेच्छओं के साथ,

सुमित

(सुमित सरकार)

मंडल रेल प्रबंधक,
पूर्व रेलवे, आसनसोल।





उप संरक्षक की कलम से ✍

सुहृदय साथियो,

बड़े हर्ष का विषय है कि मंडल की राजभाषा पत्रिका 'रेल रश्मि' का 31 वां अंक आप लोगों के समक्ष सुरम्य रूपरेखा में प्रस्तुत है। वर्तमान विषम परिस्थितियों में भी राजभाषा विभाग की यह रचनात्मक उपलब्धि गौरव का विषय है। इस साहित्यिक मंच पर मंडल की विभागीय गतिविधियों के साथ-साथ हमारे रेल कार्मिकों की विविध प्रकार की रचनाओं को भी स्थान मिला है। अपनी सचेत ड्यूटी को समर्पित भाव से निभाने वाले हमारे रेल कार्मिकों ने जितनी उत्कृष्ट रचनाएं प्रस्तुत की हैं, यह हमारे लिए गौरव का विषय है।

आशा है कि आप पाठकवृंद भी इन रचनाओं से प्रेरित होंगे और रेल रश्मि के आगामी 32वें अंक के लिए रचनात्मक सहयोग प्रदान करेंगे।

निवर्तमान अपर मुराधि-वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक श्री मनीष के योग्य एवं सक्षम नेतृत्व क्षमता में मंडल राजभाषा विभाग ने सफलता और सार्थकता के नये आयाम स्थापित किये हैं। मंडल के नये अपर मुराधि-सह-वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त श्री सी.एम.मिश्र के प्रति भी हमारा विश्वास है कि उनके सशक्त नेतृत्व में राजभाषा विभाग उसी उत्साह और निष्ठा से अपने निर्धारित लक्ष्यों की ओर अग्रसर रहेगा।

राजभाषा टीम के लिए शुभकामनाओं के साथ, आपके रचनात्मक सहयोग की अपेक्षा में,

(मुकेश कुमार मीना)

अपर मंडल रेल प्रबंधक
पूर्व रेलवे, आसनसोल।

(हमारे नये अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री मुकेश कुमार मीना ने 20/04/2020 को कार्यभार ग्रहण कर लिया है। दौसा/राजस्थान के मूल निवासी श्री मीना ने एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज/ जोधपुर से इंजीनियरी की प्रतिष्ठित डिग्री प्राप्त की। आइआरईएस -1998 बैच के अधिकारी श्री मीना ने आसनसोल मंडल में वरि.मंडल इंजी.-11, वरि.मंडल इंजी./समन्वय और उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण जैसे महत्वपूर्ण पदों पर अपना सशक्त योगदान दिया है। मृदुल भाषी और समाजसेवी अधिकारी के रूप में श्री मीना सुप्रसिद्ध रहे हैं। राजभाषा विभाग अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री मीना का सहर्ष स्वागत करता है। -संपादक)





अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी की कलम से

प्रिय पाठको,

'रेल रश्मि' के इस मंच से आप लोगों के साथ जुड़ने का यह मेरा पहला मौका है। मेरे पूर्ववर्ती श्री मनीष/ वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक के स्वर्णिम कार्यकाल के दौरान राजभाषा विषयक गतिविधियों का चहुंमुखी विकास हुआ। अपर मुराधि के रूप में श्री मनीष ने जिन स्वर्णिम मानदंडों की स्थापना की है, उस पर खरा उतरने का मैं भरपूर प्रयास करूंगा। उसी परिप्रेक्ष्य में 'रेल रश्मि' का नवीनतम 31वां पुष्प आप लोगों के समक्ष प्रस्तुत करते हुए मैं अपार हर्ष का अनुभव कर रहा हूँ।

'रेल रश्मि' के कलेवर में श्रीवृद्धि करने में मंडल के रेल कार्मिकों की रचनात्मक प्रतिभाओं का काफी योगदान रहा है। मंडल के अपने कार्मिकों से विशेष अनुरोध है कि 'रेल रश्मि' के आगामी 32वें अंक की श्रीवृद्धि करने में अपना रचनात्मक सहयोग दें।

अपने साथी अधिकारियों से अपील है कि वे अपनी विभागीय गतिविधियों का सार-संक्षेप या संबंधित फोटो फीचर राजभाषा विभाग को उपलब्ध कराने की व्यवस्था करें ताकि आगामी अंक में उन्हें स्थान दिया जा सके। इसके अतिरिक्त मंडल के तमाम अधिकारियों और कार्मिकों से मेरी खास इत्तिज़ा है कि राजभाषा विषयक विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं, समारोहों, परिचर्चाओं, संगोष्ठियों, गतिविधियों में खुले मन से शामिल हों, ताकि इस मंच को सार्थकता और व्यापकता मिल सके।

रचनात्मक संभावनाओं की सार्थकता की अपेक्षा मैं।

चंद्र मोहन

(चंद्र मोहन मिश्र)

अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी
एवं

वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त
पूर्व रेलवे, आसनसोल





संपादकीय ✍

भाषा संस्कृति की संवाहिका होती है। भाषा के बिना संस्कृति के विकास की तथा संस्कृति के बिना एक समृद्ध भाषा की कल्पना नहीं की जा सकती है। भाषा केवल संप्रेषण का माध्यम ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक विकास की प्रक्रिया का माध्यम भी होती है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से अब तक राजभाषा हिंदी ने अपने समावेशी स्वभाव के कारण विभिन्न भाषाओं के अनगिनत शब्दों को अपने में समाहित किया और अपने-आप को प्रयोजन के मुताबिक ढाला, जिससे उसका एक नया रूप- 'प्रयोजनमूलक' रूप सामने आया। आज हम विभिन्न प्रयोजनों के लिए हिंदी के अलग-अलग विशिष्ट शब्दों का प्रयोग करते हैं। यही हिंदी का प्रयोजनमूलक रूप है। हिंदी के नित नये बढ़ते कदम के आधार पर हम यह कह सकते हैं कि वह दिन दूर नहीं, जब हिंदी विश्व-भाषा बन जाएगी।

हिंदी के उन्नयन के इसी क्रम में, आसनसोल मंडल का राजभाषा विभाग हिंदी को रेल कार्मिकों और उनके परिवार-जनों के बीच रुचिकर एवं आकर्षक बनाने के लिए हिंदी गृह पत्रिका 'रेल रश्मि' का निरंतर प्रकाशन करता आ रहा है।

पत्रिका को रुचिकर बनाने के लिए इस अंक में सम-सामयिक विषयों पर लेख, कविता, कहानी आदि को स्थान दिया गया है। आशा है कि आपको पत्रिका का यह अंक पसंद आएगा।

आपसे अपेक्षा है कि आप अपने आलोचनात्मक विचारों से हमें लाभान्वित करेंगे जिससे कि हम इस पत्रिका को और भी बेहतर ढंग से प्रस्तुत कर पाने में सक्षम व सफल हो सकेंगे।

जय हिंदी, जय भारत !!

(डॉ. मधुसूदन दत्त)

राजभाषा अधिकारी

पूर्व रेलवे, आसनसोल



रेल एरिम्



वर्ष - 12 अंक - 31 सितंबर, 2019 - सितंबर, 2020 (संयुक्तांक)

संरक्षक

समित सरकार
मंडल रेल प्रबंधक
पूर्व रेलवे, आसनसोल



उप संरक्षक

मकुश कुमार मीना
अपर मंडल रेल प्रबंधक
पूर्व रेलवे, आसनसोल



प्रधान संपादक

चंद्र मोहन मिश्र
अपर मुराधि एवं व.मं.सु.आ.
पूर्व रेलवे, आसनसोल



संपादक

डॉ. मधुसूदन दत्त
राजभाषा अधिकारी
पूर्व रेलवे, आसनसोल



उप संपादक

पुरुषोत्तम कुंगुप्ता
कनिष्ठ अनुवादक



सहयोग



डी.के. पासवान, बी.बी. पांडेय, संजय राउत
राजभाषा विभाग, पूर्व रेलवे, आसनसोल
संपर्क - 020-82112 (रेलवे)
मो० - 9002023625 (राधि.)
e.mail : rajbhashaerasn@gmail.com
पता- राजभाषा अनुभाग
मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय
पूर्व रेलवे, आसनसोल- 713301

इस अंक में

- | | | |
|-------|---|--------------------------------------|
| 1-8 | आसनसोल मंडल की विशिष्ट गतिविधियाँ | |
| 8 | बापू से | चंद्र मोहन मिश्र |
| 9 | लॉकडाउन और टुकड़े-टुकड़े जिंदगी (रिपोर्ताज) | मनीष |
| 9 | कुछ गम-ए-जिंदगी है (गीत) | प्रवीण कुमार |
| 10 | संवाददाता की भूमिका (आलेख) | यशवन्त कुमार आर्य |
| 10 | योद्धा (कविता) | अखिलेश कुमार |
| 11-12 | कोरोना महामारी : शंका और समाधान (आलेख) | डॉ. वी. के. चौबे |
| 12 | हिंदी | रिया साहू सुपुत्री प्रदीप कुमार साहू |
| 13-14 | सकारात्मक सोच का जादू (आलेख) | रोजी शर्मा |
| 14 | जिन्दगी का केनवास | अशोक आशीष |
| 15 | मैं से हम की ओर | चंचला कुमारी |
| 15 | पुरुष | श्रीमती छाया भट्टाचार्य |
| 16 | सुनसान गाँव (आलेख) | विनय कुमार |
| 17 | प्यार का कानून (कहानी) | तापस भट्टाचार्या |
| 17 | हिन्दी बनाम अंग्रेजी | पार्थ सारथि कुण्डु |
| 18 | मुक्तिद्वार (कविता) | संजय राउत |
| 18 | दो गजल | अवधेश कुमार अवधेश |
| 18 | प्रवास | श्री एन. के. वर्मा |
| 19 | नई तकनीकों को आत्मसात करती हिंदी | डॉ. मधुसूदन दत्त |
| 20 | विज्ञापनों में सजते रिश्ते (कविता) | पुरुषोत्तम कुमार गुप्ता |
| 20 | सोशल डिस्टेंसिंग (कविता) | पुरुषोत्तम कुमार गुप्ता |



(पत्रिका में प्रकाशित लेखों/रचनाओं में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं और संपादक मंडल इसके लिए जिम्मेदार नहीं है।)

आसनसोल मंडल की विशिष्ट गतिविधियाँ

❖ पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल ने 74वां स्वतंत्रता दिवस मनाया
पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल ने 15.08.2020 (शनिवार) को बड़े भव्य तरीके से मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, आसनसोल में 74वें स्वतंत्रता दिवस को मनाया। श्री सुमित सरकार, मंडल रेल प्रबंधक आसनसोल ने कोविड -19 महामारी की स्थिति में सावधानी पूर्वक सामुदायिक दूरी के मानदंडों का पालन करते हुए और मास्क पहनकर राष्ट्रीय ध्वज को फहराया।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में मं.रे.प्र. श्री सुमित सरकार ने मंडल की प्रमुख उपलब्धिया का ब्योरा प्रस्तुत करते हुए कहा की आसनसोल मंडल भारतीय रेलवे में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, क्योंकि यह पूर्व रेलवे का सर्वाधिक माल लदान (फ्रेट लोडिंग) वाला मंडल है।

इस वर्ष, कोविड - 19 के दुष्प्रभाव के कारण, आसनसोल मंडल यात्री अर्जन के मद में राजस्व में कमी रही है। फिर भी, मंडल लोडिंग को बढ़ाने की दिशा में हर संभव प्रयास कर रहा है और साथ ही, इस अवसर का सदुपयोग करते हुए दीर्घकालिक ट्रैफिक / पावर ब्लॉक के अभाव में रूके हुए प्रमुख ट्रैक रख रखाव के कार्यों को पूरा कर रहा है।

अब तक, आसनसोल मंडल ने कोविड - 19 मामलों को सुचारू रूप से निपटारा है और सर्वाधिक हर संभव सुविधाओं की व्यवस्था की है। साथ ही, अपने स्तर पर ही हैंड सेनिटाइजर, पीपीई किट, आइसोलेशन कोच, बेड, ऑक्सीजन सिलेंडर स्टैंड, पैडल ऑपरेटेड वॉटर और लिक्विड सोप डिस्पेंसिंग यूनिट तैयार किया गया है। हमारे मंडल के तकनीकी विशेषज्ञों ने कोविड -19 संक्रमित रोगियों से सुरक्षित रहते हुए उनके व्यवहार के लिए रिमोट नियंत्रित मेडिकल वैन बनाकर इतिहास रचा है।

अम्फान चक्रवात से प्रभावित लोगों की सहायता हेतु मंडल के कर्मचारियों और अधिकारियों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया और कुल ₹11.5 लाख की राशि एकत्र किए गए, जिसके द्वारा स्काउट और गाइड/आसनसोल जिले की बहादुर टीम के माध्यम से सुंदरबन के अम्फान प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री भेजी गई।

इस वर्ष, कोविड -19 के कारण श्रावणी मेला का भी आयोजन नहीं हो सका, जिसका दुष्प्रभाव इस मंडल के अर्जन पर भी पड़ा है। तथापि, मंडल नॉन फ्रेट रेवेन्यू सेगमेंट में अर्जन बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है और कॉलोनी पार्कों में 'ऑन-व्हील आयुष फूड एंड बेवरेज' नामक 'हेल्दी बेवरेज ऑन व्हील' जैसी नई पहल कर रहा है।

कोविड -19 के कारण देशव्यापी लॉकडाउन हुई, कोयला और सामान्य माल लदान बहुत प्रभावित हुआ है। इसके बावजूद, यह उल्लेखनीय है कि बालू और पत्थरों की लोडिंग के क्षेत्र में चालू वित्त वर्ष के दौरान क्रमशः 1545% और 120% की विशाल वृद्धि दर्ज की है (11.08.2020 तक)। इसी क्रम में, इस मंडल के 9 स्टेशनों

आसनसोल, रानीगंज, अंडाल, दुर्गापुर, जसीडीह, मधुपुर, बैद्यनाथधाम, देवघर एवं बासुकीनाथ को प्रतिष्ठित ISO 14001: 2015 से प्रमाणित किया गया है।

संवेदनशील सुरक्षा के मोर्चे पर, 'ऑपरेशन थंडर' के अंतर्गत रेलवे सुरक्षा बल/आसनसोल मंडल के अधिकारियों और जवानों ने विभिन्न स्थानों पर छापे मारे और 30 क़ख्यात अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनपर आरपी (यूपी) अधिनियम के तहत कुल 35 मामले दर्ज किए गए। इसी क्रम में, 64 अपराधियों की गिरफ्तारी के साथ-साथ चोरी हुई ₹1,72,669/- मूल्य के रेलवे संपत्ति बरामद की गई। कोविड - 19 के इस संकट के दौरान, रेलवे सुरक्षा बल/आसनसोल ने 26.03.2020 से 30.06.2020 तक गैर-सरकारी संगठनों (NGO) की मदद से 49,311 जरूरतमंद व्यक्तियों को तैयार भोजन और खाद्यान्न उपलब्ध कराया गया और कुल 226 श्रामिक स्पेशल ट्रेनों को सफलतापूर्वक एस्कॉर्ट किया गया।

सिउड़ी, चिनपाई, पांडवेश्वर, अंडाल, गिरिडीह और विद्यासागर स्टेशनों का संपूर्ण नवीकरण किया गया है। जसीडीह, मदनकट्टा, तेलवा, राजला और नारागंजो में नए पैदल ऊपरी पुल (एफओबी) के गडर खड़े किए गए। वारिया स्टेशन पर एफओबी को पुनर्स्थापित किया गया। जसीडीह स्टेशन पर आसनसोल स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 2 के हावड़ा छोर पर एक नए ऑक्सीजन पार्क को विकसित किया गया। स्क्रेप निर्मित विभिन्न मॉडलों को कलात्मक तरीके से लगाया गया है। विभिन्न स्टेशनों पर कुल 1429 स्टील बेंच लगाए गए हैं।

मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, आसनसोल में इको पार्क, इको जोन और इको सेंटर का निर्माण, ट्रैफिक कॉलोनी में नीलकंठ पार्क का नवीकरण, डुरांड कॉलोनी में विवेकानंद पार्क, विद्यासागर स्टेशन पर विद्यासागर पार्क और चिनपाई स्टेशन पर चिल्ड्रेन पार्क का विकास किया गया है। मधुपुर में 40 के एलडी का एक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट चालू किया गया है।

कोविड - 19 की महामारी के बावजूद, कार्मिक विभाग ने समय पर वेतन, भत्ते, सेवानिवृत्ति शिकायत निवारण, यूएमआईडी (UMID) कार्ड बनाने में पेंशनरों को सहायता और सभी कल्याणकारी गतिविधियों आदि की व्यवस्था को सुनिश्चित किया है। 42 मृतक रेलवे कर्मचारियों के आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति की पेशकश की गई है। शाखा अधिकारियों की बैठक के दौरान हर महीने मंडल रेल प्रबंधक द्वारा कर्मचारियों को उनके द्वारा किए गए अच्छे काम की मान्यता और स्वीकृति स्वरूप 'स्टार ऑफ द मंथ अवार्ड' प्रदान किया जाता है। अब तक 194 रेलकर्मियों को सम्मानित किया गया है।

मं.रे.प्र. श्री सुमित सरकार के अभिवादन के बाद इस अवसर पर मंडल सांस्कृतिक एसोसिएशन, पूर्व रेलवे उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों और भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के सदस्यों द्वारा एक संक्षिप्त रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। मंडल रेल प्रबंधक ने अन्य विभागों की उपलब्धियों का भी उल्लेख किया और साथ ही, 15.08.2020 को स्वतंत्रता दिवस समारोह के सफल आयोजन के लिए विभिन्न विभागों को सम्मानित किया श्री सुमित

सरकार, मंडल रेल प्रबंधक, आसनसोल ने भारत स्काउट्स एंड गाइड्स, आसनसोल जिले के ट्रैफिक कॉलोनी स्थित स्काउट्स डेन में भी राष्ट्रीय ध्वज फहराया। भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के स्वयंसेवकों द्वारा यहाँ राष्ट्रीय एकता पर लघु सोलो सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

- ❖ **मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय/आसनसोल में महिला विश्राम कक्ष का उद्घाटन आसनसोल (14 अगस्त, 2020) :** मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के दो वरिष्ठतम महिला कर्मचारियों के साथ मंडल रेल प्रबंधक/आसनसोल श्री सुमित सरकार ने की महिला कर्मचारियों की सुविधा और बेहतर स्वच्छता के लिए मंडल कंट्रोल रूम/आसनसोल के बगल में नवनिर्मित महिला विश्राम कक्ष का उद्घाटन किया। इस रेस्ट रूम में मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय/आसनसोल की महिला कर्मचारियों के लिए विशेष रूप से ड्रेस चेंजिंग रूम, नैपकिन को नष्ट करने वाला कमरा, अलग बाथरूम और प्रीमियम गुणवत्ता वाली फिटिंग के साथ शौचालय की व्यवस्था है।

इस अवसर पर श्री एम. के. मीणा, अपर मंडल रेल प्रबंधक/आसनसोल और अन्य शाखा अधिकारीगण के अलावा सामाजिक दूरियों के मानदंडों को बनाए रखते हुए बड़ी संख्या में महिला कर्मचारीगण उपस्थित थीं।

- ❖ **“स्वच्छता पखवाड़ा” मनाया गया :** माननीय रेल मंत्री के निदेशानुसार, 16 सितंबर, 2019 से एक पखवाड़े तक स्वच्छता पखवाड़ा शुरू किया गया था, जिसका समापन 30 सितंबर, 2019 को हुआ। प्रत्येक दिन अलग-अलग गतिविधियों और अलग-अलग नामों से कार्यक्रम आयोजित किए गए। जो क्रमशः इस प्रकार है
- ❖ 16.09.2019 को 'स्वच्छता जागरूकता दिवस', मनाया गया। श्री सुमित सरकार, मरेप्र/आसनसोल ने मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय/आसनसोल में सभी रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वच्छता अभियान के तहत स्वच्छता की शपथ दिलायी। 17.09.2019 श्री आर.के.बरनवाल, तत्कालीन अपर मंडल रेल प्रबंधक, आसनसोल के नेतृत्व में भारत स्काउट्स एंड गाइड्स और रेलवे के स्वयंसेवकों द्वारा सुबह प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। इसमें शाखा अधिकारीगण, अन्य अधिकारीगण और कर्मचारीगण शामिल हुए। 17.09.2019 और 18.09.2019 को 'स्वच्छ संवाद दिवस' के रूप में मनाया गया। 19.09.2019 और 20.09.2019 को 'स्वच्छ स्टेशन' के रूप में मनाया गया। श्री पी.सी.शर्मा/तत्कालीन महाप्रबंधक/पूर्व रेलवे ने श्री सुमित सरकार, मंडल रेल प्रबंधक/आसनसोल की उपस्थिति में, आसनसोल स्टेशन स्थित सैलून साइडिंग (प्लेटफार्म नंबर 1 के बगल में) में एक मेगा नर्सरी का उद्घाटन किया और वहां एक पौधा लगाया। श्री शर्मा ने आसनसोल मंडल के ईएलएस/टीआरएस, डीजल/अंडाल और यांत्रिक (समाडि) विभाग द्वारा आसनसोल स्टेशन के सामने प्रदर्शित 'स्क्रेप टू आर्ट गैलरी' का निरीक्षण किया। यात्रियों के बीच जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से प्लेटफार्म सं. 2 पर प्रदर्शित 'प्लास्टिक वस्तुओं के विकल्प' हेतु स्थापित स्टॉल का

भी निरीक्षण किया। 21.09.2019 और 22.09.2019 को 'स्वच्छ ट्रेन' के रूप में मनाया गया। 23.09.2019 को 'स्वच्छ परिसर दिवस' (कार्यस्थल और निवास परिसर की सफाई) के रूप में मनाया गया। 24.09.2019 और 25.09.2019 को 'स्वच्छ आहार दिवस' के रूप में मनाया गया। 26.09.2019 और 27.09.2019 को 'स्वच्छ नीर' के रूप में मनाया गया। 28.09.2019 को 'स्वच्छ प्रसाधन' और 29.09.2019 को 'स्वच्छ प्रतियोगिता दिवस' के रूप में मनाया गया। 30.09.2019 को आसनसोल मंडल द्वारा पूरे 15 दिनों तक चलने वाले 'स्वच्छता पखवाड़ा' और 'श्रमदान' से संबंधित दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों से संबंधित समीक्षा/ब्रीफिंग के रूप में पालन किया गया।

- ❖ **सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर आसनसोल मंडल द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन** पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल में 28 अक्टूबर से 02 नवंबर, 2019 तक समुचित रूप से सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया। आसनसोल मंडल के लेखा और इंजीनियरिंग विभागों द्वारा मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय स्थित नए सभाकक्ष में 'ईमानदारी- एक जीवन शैली' विषय पर ऑडियो-विजुअल प्रेजेंटेशन सह संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें सार्वजनिक जीवन में भ्रष्टाचार की जाँच के विविध आयाम और सतर्कता जागरूकता के महत्व के बारे में बताया गया। श्री सुमित सरकार, मंडल रेल प्रबंधक/आसनसोल ने अपने संबोधन में “अखंडता”, के संबंध में कुछ महत्वपूर्ण बातें बताईं। श्री आर.के.बरनवाल, तत्कालीन अपर मंडल रेल प्रबंधक/आसनसोल ने भी इस मौके पर रेलवे के उत्थान हेतु सतर्कता और जागरूकता पर ध्यान केंद्रित करने की बात कही। सतर्कता सेमिनार के बाद आसनसोल मंडल के कार्मिक विभाग द्वारा सेमिनार में उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। सही जवाब देने वालों को टोकन पुरस्कार दिया गया। पूर्व रेलवे उच्च विद्यालय, आसनसोल और अंडाल में उपर्युक्त विषय (ईमानदारी-एक जीवन शैली) पर 23.10.2019 को एक निबंध और चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कुल मिलाकर 110 छात्रों ने हिस्सा लिया।
- ❖ **राजभाषा विभाग द्वारा 'ईमानदारी- एक जीवन शैली' विषय पर वाक् प्रतियोगिता का आयोजन :** इसी अभियान के अगले चरण के रूप में आसनसोल मंडल के राजभाषा विभाग द्वारा मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय स्थित पुराने सभाकक्ष में दिनांक 24.10.2019 को 'ईमानदारी- एक जीवन शैली' विषय पर वाक् प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कुल 11 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर निवर्तमान अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक श्री मनीष एवं डॉ. मधुसूदन दत्त, राजभाषा अधिकारी के अलावा निर्णायक मंडली के रूप में श्री पी.पी.मुखर्जी/मंडल कार्मिक अधिकारी एवं श्री प्रसून कुमार मुखोपाध्याय/तत्कालीन मंडल वित्त प्रबंधक मौजूद थे। पूरे कार्यक्रम का संचालन डॉ. मधुसूदन दत्त, राजभाषा अधिकारी/ आसनसोल ने किया। (24.10.2019)

नाम	पदनाम/विभाग	वाक् प्रतियोगिता का परिणाम
मो.शमीम अहमद	म.कार्या. अधी. मं. यां. इंजी./शक्ति	प्रथम
श्री विनय कुमार	लोको पायलट मु. लो. निरी./प्र. अंडाल	द्वितीय
श्री चुनचुन कुमार	तकनी.- 111/व.से.इंजी./ आसनसोल	तृतीय
श्री आशुतोष देब	व.से.इंजी.(यां)/डी, डीजल शेड/अंडाल	प्रेरणा-1
श्री प्रदीप कु. केशरी	कार्यालय अधी./उपरि उपस्कर /बराकर	प्रेरणा-2
श्री उत्तम कु.राऊत	तकनी./111.व.से.इंजी./समाडि आसनसोल	प्रेरणा-3

❖ आसनसोल मंडल के कार्मिक विभाग द्वारा स्टेशन प्रबंधक कार्यालय/जसीडीह और मुख्य चिकित्सा अधीक्षक/आसनसोल कार्यालय में कर्मचारी शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया गया।

❖ **49 सहायक लोको पाइलटों को आसनसोल मंडल के कार्य-तंत्र में शामिल किया गया।** 02 महिला सहायक लोको पाइलट सहित कुल 49 सहायक लोको पाइलटों को उनके प्रशिक्षण पूरा कर लेने के उपरांत 02 सितंबर, 2019 को विवेकानंद इंस्टीट्यूट/(डुंड) /आसनसोल में आयोजित एक समारोह में आसनसोल मंडल में भर्ती कर लिया गया। अपने स्वागत अभिभाषण में, श्री ए.के.सरवानी/तत्कालीन व.मं.का.अधिकारी एवं तदुपरांत श्री ए.के.श्रीवास्ताव/तत्कालीन व.मं.वि.इंजीनियर/परिचालन ने सभी नवागत कार्मिकों के भावी सफल कैरियर की शुभकामनाएं दी। श्री सुमित सरकार/मंडल रेल प्रबंधक/आसनसोल ने अपने अभिभाषण में कहा कि सहायक लोको पाइलट (एएलपी) का कौडर रेलवे के लिए काफी महत्वपूर्ण है, वही ट्रेन को सामने से संचालित करते हैं। उन्होंने 'पावर प्वाइंट प्रजेन्टेशन' के माध्यम से मंडल की संचालन पद्धति और सेवा आचरण नियमों से उन्हें अवगत कराया।

उक्त सभी नवागत कार्मिकों को श्री सुमित सरकार ने एक-एक 'वेलकम किट' भेंट किया। (02, सितंबर, 2019)

❖ **मधुपुर-आनंद विहार साप्ताहिक एक्सप्रेस विशेष ट्रेन का शुभारंभ :**

माननीय रेलमंत्री श्री पीयूष गोयल ने 22465/22466 मधुपुर-आनंद विहार-बाबा वैद्यनाथधाम देवघर साप्ताहिक एक्सप्रेस और 22459/22460 मधुपुर-आनंद विहार बाबा वैद्यनाथधाम देवघर साप्ताहिक हमसफर एक्सप्रेस की उद्घाटन यात्रा का शुभारंभ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से हरी झंडी दिखाकर किया। श्री निशिकांत दुबे, माननीय सांसद और श्री हाजी हुसैन अंसारी, माननीय विधायक, मधुपुर, दिनांक 14.01.2020 को मधुपुर स्टेशन पर उक्त ट्रेन का उद्घाटन करने के लिए उपस्थित थे। श्री हाजी हुसैन अंसारी, माननीय विधायक/मधुपुर एवं श्री सुमित सरकार, मंडल रेल प्रबंधक/आसनसोल की उपस्थिति में श्री निशिकांत दुबे, माननीय सांसद ने मधुपुर स्टेशन सर्कुलैटिंग क्षेत्र में एक वर्टिकल गार्डन और एक सुलभ शौचालय कॉम्प्लेक्स का भी उद्घाटन किया। (14 जनवरी 2020)

❖ **काम करने के आधुनिक तरीके विकसित करने के लिए आसनसोल मंडल में ई-ऑफिस की शुरुआत :**

श्री सुमित सरकार, मंडल रेल प्रबंधक, आसनसोल मंडल, ने

18.02.2020 को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय/आसनसोल के नवीन सभा कक्ष में आयोजित एक समारोह में श्री मनीष कौशल, महाप्रबंधक/रेलटेल और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में ई-ऑफिस प्रणाली का उद्घाटन किया। यह अपने दिन-प्रतिदिन के कामकाज में पारदर्शिता और दक्षता लाने के लिए मैनुअल फाइलिंग सिस्टम से ई-ऑफिस में बदलाव की दिशा में एक बड़ी छलांग है। ई-ऑफिस पेपर रहित काम-काज की संस्कृति को बढ़ावा देता है, जो न केवल परिचालन लागत को बचाएगा, बल्कि इस मंडल में कार्य संस्कृति के शानदार तरीके को विकसित करेगा। आसनसोल मंडल में ई-ऑफिस प्रणाली मंडल के 554 उपयोगकर्ता के साथ रिकॉर्ड 39 दिनों में कार्यान्वित की गई है। रेलटेल, रेल मंत्रालय के तहत एक मिनीरत्न पब्लिक सेक्टर यूनिट है, जिसने भारतीय रेलवे के लिए ई-ऑफिस प्रणाली को लागू करने का काम किया है। (18 फरवरी 2020)

❖ **मंडल रेल प्रबंधक, आसनसोल ने अंडाल में समन्वय बैठक की :** श्री सुमित सरकार, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल ने आसनसोल मंडल के अंडाल में ट्रेन परिचालन को और भी सुव्यवस्थित बनाने एवं गतिशीलता को बेहतर बनाने हेतु संबंधित शाखा अधिकारियों के साथ एक समन्वयीय बैठक की।

यांत्रिक/कैरेज एवं वैगन विभाग द्वारा गियर ग्राउंड/अंडाल में वार्षिक खेलकूद समागम (स्पोर्ट्स मीट) का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न खेलकूद प्रतिस्पर्धाओं में लगभग 375 रेलकर्मियों एवं बच्चों सहित उनके परिवार के सदस्यों ने भाग लिया। इस स्पोर्ट्स मीट के अंत में श्री सुमित सरकार, मंडल रेल प्रबंधक ने सफल प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किया। रेलकर्मियों में खेल-संस्कृति की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रेलकर्मियों, उनके पारिवारिक सदस्यों/बच्चों को शामिल करते हुए विभिन्न प्रतिस्पर्धाएं आयोजित की गईं।

इस उद्घाटन समारोह में श्री आर.के.बरनवाल, निवर्तमान अपर मंडल रेल प्रबंधक सहित मंडल के सभी शाखा अधिकारीगण मौजूद थे। (14 फरवरी, 2020)

❖ **आसनसोल स्टेशन पर सेगवे राइड एवं चिल्ड्रेन कियोस्क का शुभारंभ हुआ :** श्री सुमित सरकार, मंडल रेल प्रबंधक, आसनसोल ने आसनसोल स्टेशन प्लेटफार्म में अपेक्षाकृत तेजी के साथ मूवमेंट के उद्देश्य से रेलवे सुरक्षा बल के जवानों के लिए सेगवे राइड का उद्घाटन किया और साथ ही, आसनसोल स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 5 पर निराश्रित और अनाथ बच्चों के लिए 24-7 चिल्ड्रेन कियोस्क (महिला और बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार की एक परियोजना है), का भी उद्घाटन 07.02.2020 को किया। इस चाइल्ड लाइन कियोस्क से लापता बच्चों की देखभाल और संरक्षण, भावनात्मक समर्थन, मार्गदर्शन और आश्रय, चिकित्सा सहायता, बुराईयों से सुरक्षा, प्रायोजन (स्पॉन्सरशिप) का लाभ लेने में सहायता प्रदान करना, लापता बच्चों की रिपोर्टिंग, बच्चों और स्वयंसेवकों के बारे में जानकारी प्रदान करने में सहायता मिलेगी। चिल्ड्रेन कियोस्क टोल फ्री हेल्प लाइन नं 1098 है।

श्री सरकार, मंडल रेल प्रबंधक ने आसनसोल स्टेशन प्लेटफार्म में

तेजी से आवाजाही के लिए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) कार्मिकों के लिए दो (2) सेगवे (2 पहियों वाले स्कूटर) राइड का उद्घाटन किया, ताकि त्वरित निगरानी के साथ सम्मानित यात्रियों की बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। (07 फरवरी, 2020)

❖ आसनसोल मंडल में 'वॉकथॉन' का आयोजन :

संविधान दिवस और उसके बाद वर्ष भर चलनेवाली गतिविधियों के एक भाग के रूप में 31 जनवरी, 2020 को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, आसनसोल से आसनसोल स्टेशन तक 'वॉकथॉन' का आयोजन किया गया। मंडल रेल प्रबंधक/आसनसोल श्री सुमित सरकार ने सुबह मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय परिसर में 'वॉकथॉन' को हरी झंडी दिखाई। श्री सरकार/मंडल रेल प्रबंधक, श्री आर.के. बरनवाल, तत्कालीन अपर मंडल रेल प्रबंधक तथा शाखा अधिकारियों के साथ-साथ भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के वॉलेंटियर्स (स्वयंसेवक), रेलवे सुरक्षा बल के कर्मगण और पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल के अन्य कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक इसमें भाग लिया। भारत के संविधान की प्रस्तावना के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए आसनसोल स्टेशन क्षेत्र में भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के स्वयंसेवकों द्वारा 'नक्कड़ नाटक' का मंचन किया गया। आसनसोल मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर संविधान की प्रस्तावना से जुड़े लीफलेट वितरित किए गए और नागरिकों के कर्तव्य के बारे में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से स्टेशनों के प्रमुख स्थानों पर बैनर और स्टैंडी लगाए गए। (31 जनवरी, 2020)

❖ गणमान्य अधिकारियों/अतिथियों का आगमन :

महाप्रबंधक पूर्व रेलवे ने आसनसोल मंडल का निरीक्षण किया (11 अक्टूबर, 2019)

पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक श्री सुनीत शर्मा ने 11.10.2019 को श्री सुमित सरकार, मंडल रेल प्रबंधक/ आसनसोल, श्री आर.के.बरनवाल, तत्कालीन अपर मंडल रेल प्रबंधक/आसनसोल और मंडल के शाखा अधिकारियों की उपस्थिति में आसनसोल मंडल का निरीक्षण किया। श्री सुनीत शर्मा/महाप्रबंधक/पूर्व रेलवे ने आसनसोल स्टेशन परिसर, प्रीमियम लाउंज, सीसीटीवी निगरानी प्रणाली, प्लेटफार्मों, क्रू लॉबी और लोको रनिंग रूम का निरीक्षण किया और कर्मचारियों के साथ बातचीत की। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को ट्रेनों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के साथ-साथ यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने का सलाह दी। इससे पहले, महाप्रबंधक/पूर्व रेलवे ने वर्धमान से आसनसोल स्टेशन तक विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया। उन्होंने टीआरएस लोको शेड में एक पुनर्निर्मित वाटर बूथ का उद्घाटन किया। महाप्रबंधक/पूर्व रेलवे ने इलेक्ट्रिक लोको ट्रेनिंग सेंटर/आसनसोल का दौरा किया और वहां प्रशिक्षुओं के साथ बातचीत की और इस केंद्र के सुधार के लिए आवश्यक निदेश दिए। श्री सुनीत शर्मा/महाप्रबंधक/पूर्व रेलवे ने मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय स्थित नवीन सभाकक्ष में आसनसोल मंडल के शाखा अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की। महाप्रबंधक/पूर्व रेलवे ने रेलवे कर्मचारियों के लाभार्थ 'क्वार्टर मैनेजमेंट सिस्टम' संबंधी एक नए ऐप का उद्घाटन किया। (11.10.2019)

❖ महाप्रबंधक/पूर्व रेलवे द्वारा आसनसोल मंडल का वार्षिक निरीक्षण

श्री सुनीत शर्मा/माप्रबंधक/पूर्व रेलवे ने 10.01.2020 को प्रधान कार्यालय के प्रधान विभागाध्यक्षों (पीएचओडी) और श्री सुमित सरकार / मंडल रेल प्रबंधक, श्री आर.के.बरनवाल/तत्कालीन अपर मंडल रेल प्रबंधक और आसनसोल मंडल के शाखा अधिकारियों के साथ आसनसोल मंडल के अंडाल —साईथिया सेक्शन के सभी प्रमुख स्टेशनों का निरीक्षण किया। अपने निरीक्षण के दौरान, श्री शर्मा/महाप्रबंधक/पूर्व रेलवे ने सिउड़ी स्टेशन, रेलवे कॉलोनी, डाउन मेन लाइन से लूप लाइन की ओर के प्वासाईंट सं. 58 का निरीक्षण किया। इसके उपरांत सिउड़ी के नवनिर्मित उच्च श्रेणी प्रतीक्षालय एवं द्वितीय श्रेणी प्रतीक्षालय का उद्घाटन किया। श्री सुनीत शर्मा/महाप्रबंधक/पूर्व रेलवे ने सिउड़ी और चिनपाई के बीच 48/22-48/18 किमी. पर स्थित वृहद ब्रिज संख्या 94 एवं चिनपाई स्टेशन तथा वहां की रेलवे कॉलोनियों का निरीक्षण किया। श्री शर्मा/ महाप्रबंधक /पूर्व रेलवे ने चिनपाई स्टेशन के 'शिशु पार्क' का उद्घाटन किया और 'चिनपाई रेलवे कॉलोनी गॉर्डन' में पौधा-रोपण किया। अपने निरीक्षण के अगले पड़ाव में श्री शर्मा ने दुबराजपुर और पांचरा के बीच 34/0-2 किमी. पर स्थित मोड़ संख्या 9 और गैंग नं. 8 का निरीक्षण किया और ट्रैकमैनो से बातचीत की एवं फ्रंट लाइन के कार्मिकों को प्रोत्साहित करने के लिए उन्हें नकद पुरस्कार से नवाजा। श्री सुनीत शर्मा/महाप्रबंधक/पूर्व रेलवे ने पांडवेश्वर स्टेशन, 20/04-02 किमी. पर स्थित प्वाईंट सं. 75 बी., 20/02-19/42 किमी. पर स्थित समपार फाटक सं. 9/स्पेशल/टी का निरीक्षण किया और पांडवेश्वर स्टेशन के टीआरडी डिपो का मुआयना किया।

श्री सुनीत शर्मा/महाप्रबंधक/पूर्व रेलवे ने अंडाल स्टेशन भवन, क्रू लॉबी, रेलवे कॉलोनी, रनिंग रूम, आरक्षित लाऊंज, प्रतीक्षालय, अंडाल रेलवे अस्पताल, और बॉक्स एन डिपो का निरीक्षण किया और संबंधित शाखा अधिकारियों को निदेश दिया।

इसी क्रम में उन्होंने आसनसोल स्टेशन के ई-लॉबी का उद्घाटन किया, आसनसोल स्टेशन के वीआइपी कक्ष में आसनसोल और रानीगंज के चैंबर्स ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की और आसनसोल स्टेशन के नवीकृत एवं समुन्नत 'अधिकारी विश्रामालय (ओआरएच)' का शुभारंभ किया। श्री सुनीत शर्मा/महाप्रबंधक/पूर्व रेलवे ने ट्रेनों की सुरक्षित और समयबद्ध संचलन और यात्री सुख-सुविधाओं को बेहतर बनाने का आदेश दिया और फ्रंट लोडिंग बढ़ाने के लिए पूरा प्रयास करने तथा गैर-किराया राजस्व अर्जन की नयी संभावनाओं को तलाशने का अनुरोध दिया।

इसके बाद श्री सुनीत शर्मा/महाप्रबंधक/पूर्व रेलवे ने विवेकानंद इंस्टीच्यूट/डुरंड में राजभाषा विभाग/आसनसोल की गतिविधियों से संबंधित सचित्र पुस्तिका 'राजभाषा सारथी' का विमोचन किया। इसी अवसर पर राजभाषा विभाग के तत्वावधान में सुश्री आकांक्षा बारी ने एक हिंदी गीत प्रस्तुत किया। इसके बाद 'मंडल सांस्कृतिक संगठन (डीसीए) द्वारा ' प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद उठाया।

❖ **आसनसोल मंडल द्वारा 71वाँ गणतंत्र दिवस मनाया गया :**

पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल द्वारा दिनांक 26.01.2020 को मंडल रेल स्टेडियम (लोको ग्राउंड), आसनसोल में 71 वाँ गणतंत्र दिवस समारोहपूर्वक मनाया गया। श्री सुमित सरकार, मंडल रेल प्रबंधक, आसनसोल ने इस अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। आरपीएफ की टुकड़ी, भारत स्काउट्स और गाइड्स के स्वयंसेवकों और सेंट जॉन एम्बुलेंस के सदस्यों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर प्रस्तुत किया गया।

श्री सरकार, मंडल रेल प्रबंधक, आसनसोल ने अपने अभिभाषण में मंडल की उत्कृष्ट उपलब्धियों के बारे में बताते हुए कहा कि मंडल ने चालू वित्त वर्ष में अच्छा प्रदर्शन किया है।

मंडल रेल प्रबंधक श्री सरकार ने इस मंडल के लिए किए गए अच्छे कार्यों के लिए आसनसोल मंडल के अधिकारी और कर्मचारियों की भूरि-भूरि सराहना की।

इस अवसर पर पूर्व रेलवे 'भारत स्काउट्स एंड गाइड्स,' मंडल सांस्कृतिक संगठन और पूर्व रेलवे स्कूलों के छात्रों द्वारा एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये।

बाद में, श्री सरकार, मंडल रेल प्रबंधक, आसनसोल ने ट्रेफिक कॉलोनी में आसनसोल जिले के भारत स्काउट्स एंड गाइड्स, के स्काउट्स डेन में राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

श्रीमती स्मिता सरकार, अध्यक्षा, 'पूर्व रेलवे महिला कल्याण संगठन'(इरवो) / आसनसोल द्वारा दोमुहानी रेलवे कॉलोनी में स्थित 'प्रभात तारा स्कूल' में गणतंत्र दिवस के अवसर पर 26.01.2020 को राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। श्रीमती स्मिता सरकार, अध्यक्षा, 'पूर्व रेलवे महिला कल्याण संगठन/आसनसोल एवं संगठन के पदाधिकारियों तथा सदस्यों द्वारा मंडल रेल अस्पताल, आसनसोल में भर्ती इन-डोर रोगियों के बीच फल और नवजात शिशुओं को उपहार वितरित किए गए।

❖ **पूर्व रेलवे उच्चतर माध्यमिक विद्यालय द्वारा 'प्रदूषण रोकथाम रैली' आयोजित की गई**

पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल ने पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से पूरे वर्ष के दौरान रेलवे परिसरों में एकल उपयोग प्लास्टिक पर पाबंदी, वन रोपण, वर्षा-जल संरक्षण, जैव-शौचालय की व्यवस्था, नवीकरणीय ऊर्जा का अनुकूलन, ऊर्जा संरक्षण और कार्बन उत्सर्जन में कमी लाते हुए पर्यावरणीय स्थिरता जैसे विषयों पर केंद्रित पर्यावरण हितकारी कार्य किए हैं।

श्री सुमित सरकार, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल ने पूर्व रेलवे उच्चतर विद्यालय (ईआरएचएसएस) आसनसोल के छात्रों द्वारा पर्यावरण हितैषी नारों के साथ एक 'प्रदूषण रोकथाम जागरूकता रैली' की शुरुआत की।

'प्रदूषण रोकथाम रैली' मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, आसनसोल से शुरू होकर आसनसोल स्टेशन, रेलवे कॉलोनी में "ऑक्सीजन पार्क" को कवर करते हुए ईआरएचएसएस परिसर में समाप्त हुई। सैकड़ों छात्रों, स्काउट और गाइड के स्वयंसेवकों ने इसमें भाग लिया। रैली ने आसनसोल शहर में एकल उपयोग प्लास्टिक, वृक्ष काटने, जीवाश्म ईंधन के अत्यधिक उपयोग आदि के बुरे प्रभाव के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए परिभ्रमण किया। (13 जनवरी, 2020)

❖ **महाप्रबंधक, पूर्व रेलवे श्री सुनीत शर्मा ने मधुपुर में आयोजित भारत स्कोउट्स एवं गाइड्स की 52वीं स्टेट रैली में प्रतिभागियों को परस्कृत किया :**

श्री सुनीत शर्मा, महाप्रबंधक, पूर्व रेलवे ने श्रीमती अरुणा नायर/ प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी, श्री एस.आर.घोषाल/ प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर और श्री सुमित सरकार - मंडल रेल प्रबंधक / आसनसोल के साथ आसनसोल स्टेशन पर यात्री सुख-सुविधाओं, डिजिटल रिजर्वेशन चार्ट, आसनसोल स्टेशन पर तैनात रेलवे सुरक्षा बल के जवानों के त्वरित आवागमन के लिए दो पहिया स्कूटर का निरीक्षण किया। महाप्रबंधक/पूर्व रेलवे ने हाल ही में आसनसोल सर्कुलेटिंग क्षेत्र में उद्घाटित 'रेस्त्रॉ ऑन हवील' का भी दौरा किया। मधुपुर पहुँचने के बाद श्री शर्मा/महाप्रबंधक/पूर्व रेलवे ने मधुपुर स्टेशन पर यात्री सुख-सुविधाओं का निरीक्षण किया। इसके अलावा उन्होंने प्रिमियम लाउंज, पीआरएस काउंटर एवं मधुपुर स्टेशन सर्कुलेटिंग क्षेत्र में चल रहे विकासमूलक कार्यों का भी निरीक्षण किया। श्री शर्मा/महाप्रबंधक/पूर्व रेलवे ने मधुपुर स्टेशन भवन के प्रथमतल पर नवनिर्मित अधिकारी विश्राम-गृह, कार्यालय परिसर और महिला वस्त्र-परिवर्तन कक्ष का उद्घाटन किया। साथ ही, उन्होंने मधुपुर रेलवे कॉलोनी में सिवरेज ट्रीटमेन्ट प्लांट का भी उद्घाटन किया। बाद में श्री सुनीत शर्मा, भारत स्काउट्स एंड गाइड्स, पूर्व रेलवे के अध्यक्ष और महाप्रबंधक, 25 से 28 फरवरी, 2020 तक स्टेट ट्रेनिंग पार्क, मधुपुर में आयोजित भारत स्काउट्स एंड गाइड्स, पूर्व रेलवे की 52वीं स्टेट रैली के समापन दिवस पर विदाई समारोह (वेलेंडिक्ट्री फंक्शन) एवं पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। श्री शर्मा/महाप्रबंधक ने अपने संबोधन में कहा कि यह संगठन रेलवे की दैनिक गतिविधियों में बहुत कुछ कर सकता है। श्री सुमित सरकार/मंडल रेल प्रबंधक/आसनसोल एवं अध्यक्ष/भारत स्काउट्स एंड गाइड्स/आसनसोल डिस्ट्रिक्ट ने भी इस अवसर पर अपना अभिभाषण प्रस्तुत किया। श्री नीरज कुमार वर्मा/वरिष्ठ मंडल इंजीनियर-1। एवं जिला आयुक्त/ भारत स्काउट्स एंड गाइड्स/आसनसोल डिस्ट्रिक्ट, श्रीमती अरुणा नायर/प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी/पूर्व रेलवे, डॉ. अनुपम सेठ/ उप मुख्य चिकित्सा निदेशक और स्टेट सेक्रेटरी/भारत स्काउट्स एंड गाइड्स/पूर्व रेलवे भी इस अवसर पर उपस्थित थे और उन्होंने अपने विचार रखे।

उल्लेखनीय है कि इस 52वें स्टेट रैली के दौरान भारत स्काउट्स एंड गाइड्स /पूर्व रेलवे द्वारा लोक नृत्य, शारीरिक सौष्ठव प्रस्तुति, साहसिक गतिविधि, प्रवर्तक परियोजना, एरोबिक्स, रंगोली, फुड प्लाज़ा इत्यादि जैसे बहुत सारे सुरुचिपूर्ण एवं आकर्षक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। (28 फरवरी, 2020)

❖ **आसनसोल मंडल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का पालन किया गया :**

भारतीय रेलवे अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस — 2020 का अभियान थीम दर्शाता है कि सामूहिक रूप से हम में से प्रत्येक व्यक्ति लैंगिक समानता का पालन कर के विश्व के निर्माण में मदद कर सकता है। आसनसोल अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने के क्रम में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया : महिला सशक्तिकरण पर

एक संवाद-सह-व्याख्यान सत्र, रेलवे सुरक्षा बल के महिला कर्मियों द्वारा मार्शल आर्ट का प्रदर्शन 'प्रत्येक के लिए समानता' विषय पर रैली एवं नक्कड़ नाटक जैसा कार्यक्रम आयोजित हुए। श्री समित सरकार, मंडल रेल प्रबंधक / आसनसोल ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में कार्यरत महिला कर्मचारियों को पुष्प कलिका प्रदान कर सम्मानित किया और साथ ही, आसनसोल मंडल के कल मिलाकर 37 महिला कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए परस्कृत किया। 08.03.2020 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आसनसोल मंडल के सभी स्टेशन प्रबंधक, डिपो/वर्कशॉप प्रभारियों ने अपने अधीन कार्यरत महिला कर्मियों के सम्मान स्वरूप उन्हें पुष्प कलिका प्रदान किया।

महिला कर्मचारियों की बेहतर स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए ईरवो/आसनसोल की अध्यक्षता श्रीमती स्मिता सरकार द्वारा ईरवो/आसनसोल के सदस्यों के साथ आसनसोल स्टेशन, दोमहानी रेलवे कालोनी स्थित 16वीं बटालियन आरपीएसएफ महिला बाहिनी बैरक में एक सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन का उद्घाटन किया गया और इसके अलावा दुर्गापुर में ऐसी ही 2 मशीनों का भी उद्घाटन किया गया। इसके अतिरिक्त, महिला कर्मियों की दृढ़ता और क्षमता को प्रदर्शित करने के लिए सभी वाणिज्यिक गतिविधियाँ जैसे टिकट जाँच, पार्सल कार्यालय, बुकिंग कार्यालय और आरक्षण कार्यालय अनन्य रूप से महिला कर्मियों द्वारा संचालित किये गये। दुर्गापुर, अंडाल, रानीगंज, चित्तरंजन और आसनसोल के टिकट बुकिंग कार्यालयों, आरक्षण कार्यालय और पूछताछ कार्यालय को अनन्य रूप से महिला कर्मियों द्वारा संचालित किया गया। यही नहीं, बल्कि कुछ ट्रेनों को महिला लोको पायलटों द्वारा चलाया गया। (8 मार्च, 2020)

❖ **विद्यासागर स्टेशन पर नई यात्री सुख-सुविधाओं एवं अन्य सुविधाओं का उद्घाटन :** पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल के अंतर्गत विद्यासागर स्टेशन पर आयोजित एक कार्यक्रम में श्री सनील सौरन, माननीय सांसद ने विद्यासागर स्टेशन पर नवनिर्मित स्टेशन भवन के अग्र भाग (फैसेड) एवं सर्कुलेंटिंग एरिया तथा नए बुकिंग कार्यालय का उद्घाटन किया।

श्री समित सरकार, मंडल रेल प्रबंधक ने यात्रियों को मुहैया कराये गए बेहतर सुख-सुविधाओं पर चर्चा करते हुए कहा कि विद्यासागर स्टेशन पर नवनिर्मित स्टेशन महार (फैसेड) और सर्कुलेंटिंग एरिया स्टेशन के माहौल को और अधिक सौंदर्यपूर्ण एवं खुसनुमा बनाने से यातायात और यात्रियों के सहज आवागमन के लिए व्यापक क्षेत्र मिलेगा। नये बुकिंग कार्यालय से यात्रियों को सहजतापूर्वक यात्रा-टिकट प्राप्त होगा। (12 मार्च, 2020)

❖ **क्षेत्रीय रेल स्तर की हिंदी निबंध, टिप्पण व प्रारूप लेखन एवं वाक् प्रतियोगिताओं में** आसनसोल मंडल के रेलकर्मियों ने अच्छा प्रदर्शन किया : दिनांक 26.08.2019 और 27.08.2019 को प्रधान कार्यालय/पूर्व रेलवे/कोलकता में आयोजित क्षेत्रीय स्तर की हिंदी निबंध, टिप्पण -प्रारूप लेखन और वाक् प्रतियोगिताओं में आसनसोल मंडल के निम्नलिखित कर्मिकों के पक्ष में प्रशंसनीय परिणाम प्राप्ते हुए हैं : हिंदी निबंध प्रतियोगिता /तृतीय स्थान श्री

अशोक आशीष/कनिष्ठ लिपिक/ वरि.मंडल कार्मिक अधिकारी, प्रेरणा स्थान श्री संजय कुमार /तकनीशियन/ व.से.इंजी./डीजल शेड /अंडाल

हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता प्रथम स्थान श्री शैलेश गोस्वामी,काधी/ सहायक सामग्री प्रबंधक/डीजल/अंडाल, प्रेरणा स्थान श्री देव कुमार पाल/ व.मं.या.इंजी./डीजल/अंडाल

हिंदी वाक् प्रतियोगिता प्रथम स्थान मो. शमीम अहमद, मुकाधी/ शक्ति शाखा/आसनसोल, प्रेरणा स्थान श्री विनय कुमार,लोको पायलट/ मुख्य लोको निरीक्षक/अंडाल, प्रेरणा स्थान श्री अखिलेश कुमार,/ स्टेशन प्रबंधक/जोड़ामो

❖ **राजभाषा विभाग द्वारा स्वरच्छता एवं पर्यावरण विषय पर हिंदी में नारा, जिंगल तथा कविता लेखन प्रतियोगिता आयोजित :** श्री समित सरकार, मंडल रेल प्रबंधक महोदय, आसनसोल के निदेशानुसार श्री मनीष, निवर्तमान अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक आसनसोल के कुशल नेतृत्व एवं डॉ. मधुसूदन दत्त, राजभाषा अधिकारी के सफल संचालन में मंडल के स्कूलों तथा आसनसोल मंडल रेल क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए राजभाषा विभाग, पूर्व रेलवे, आसनसोल द्वारा पर्यावरण तथा स्वच्छता विषय पर हिंदी भाषा में नारा, जिंगल तथा कविता लेखन प्रतियोगिता आयोजित हुई। उक्त प्रतियोगिताओं में पूर्व रेलवे उच्च माध्यमिक विद्यालय आसनसोल एवं पूर्व रेलवे उच्च विद्यालय, आसनसोल तथा मंडल रेल क्षेत्र के कर्मचारियों ने भाग लिया। इनके द्वारा रचित रचनाओं के मूल्यांकन के उपरांत निम्नलिखित परिणाम आए हैं:

1. **पूर्व रेलवे उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, पूर्व रेलवे, आसनसोल:**

क्र.सं.	छात्र/छात्रा के नाम	पिता/अभिभावक का नाम	कक्षा/श्रेणी
1.	शहनवाज अहमद	श्री मोहम्मद अशरफ जावेद	10-ए
2.	बेबी कुमारी	श्री श्याम लाल साव	10-ए
3.	पायल कुमारी रजक	श्री आनन्दी रजक	9-ए
4.	अंकुश राम	श्री लाल बहादुर राम	10-ए
5.	कृणाल सिंह	श्री बीरेन्द्र सिंह	10-ए

2. **पूर्व रेलवे उच्च विद्यालय (सी.बी.एस.ई.), पूर्व रेलवे, आसनसोल:**

क्र.सं.	छात्र/छात्रा के नाम	पिता/अभिभावक का नाम	कक्षा/श्रेणी
1.	नंदनी कुमारी पाण्डेय	श्री मनोज कुमार पाण्डेय	9-ए
2.	अंकिता बर्णवाल	श्री पप्पू बर्णवाल	9-ए
3.	सप्रिया शर्मा	श्री बिभूति भूषण शर्मा	10-ए
4.	प्रियांशु शर्मा	श्री राज कुमार शर्मा	9-ए
5.	आफशा	मो. जहाँगीर	9-ए

3. **श्री रवींद्र कुमार मंडल/ मंडल सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर द्वारा भी उत्तम स्लोगन प्रस्तुत किया गया।**

4. **कर्मचारियों के लिए पर्यावरण/स्वच्छता पर कविता प्रतियोगिता :**

क्र.सं.	कर्मचारी के नाम	पदनाम/कार्यालय	स्थान
	(सर्वश्री/श्रीमती)		
1.	विनय कुमार	लोको पायलट/मु.लो.निरीक्षक/अंडाल	प्रथम
2.	रैना सिंह	कनिष्ठ लिपिक/मंडल रेल प्रबंधक सचिवालय	द्वितीय
3.	पंकज कुमार	कनिष्ठ इंजीनियर/कर्षण-वितरण/मधुपुर	तृतीय

❖ **राजभाषा विषयक आसनसोल मंडल की विशेष उपलब्धियाँ (अक्तूबर – दिसंबर, 2019) राजभाषा विषयक निरीक्षण :** अंडाल-साईथिया सेक्शन में 18.10.2019 को राजभाषा विषयक

- निरीक्षण किया गया। अंडाल, उखड़ा, पांडवेश्वर, चिनपाई, दबराजपुर और सिउड़ी स्टेशनों का तथा 25.10.2019 को बैद्यनाथधाम स्टेशन का निरीक्षण किया गया। इस दौरान स्टेन में प्रयुक्त, विभिन्न रजिस्ट्रों के विषय शीर्ष द्विभाषी (कंप्यूटरिकृत) रूप में उपलब्ध कराए गए। 'नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति' के अनुशंसित अधिकारियों के निरीक्षण दल, जिसमें श्री डॉ. मधुसूदन दत्त, राजभाषा अधिकारी, पूर्व रेलवे, आसनसोल भी बतौर सदस्य शामिल थे, ने आसनसोल स्थित केंद्र सरकार के विभिन्न कार्यालय-प्रमूखों से भेंट की और राजभाषा के प्रयोग एवं प्रसार में आने वाली विभिन्न प्रकार की समस्याओं का जायजा लिया और निदान बताये।
- ❖ **हिंदी कार्यशाला :** रेलकर्मियों के लाभार्थ 18.11.2019 से 22.11.2019 तक अंडाल में पाँच दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 13 रेलकर्मियों को कार्यालयी कामकाज हिंदी में निष्पादित करने के साथ-साथ राजभाषा नियम एवं अधिनियम आदि की जानकारी दी गई। प्रधान कार्यालय/फेयरली प्लेस से उप महाप्रबंधक (राजभाषा) श्री पी.सी.डांग, राजभाषा अधिकारी श्री ग्रेगोरी तिग्गा, ईस्को/बर्नपुर के राजभाषा अधिकारी श्री चंद्रानंद पाठक आदि ने राजभाषा विषयक उपयोगी विषयों पर व्याख्यान दिया। कार्यशाला के समापन के अवसर पर प्रतिभागी रेलकर्मियों के लिए एक सत्रांत परीक्षा का आयोजन किया गया, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर प्रथम तीन कर्मचारियों को पुरस्कार हेतु चयनित किया गया।
- ❖ **मधुपुर में हिंदी कार्यशाला संपन्न** आसनसोल मंडल के मधुपुर स्थित लालबहादुर इंस्टीच्यूट में राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार को बढ़ाए जाने तथा कर्मचारियों को कार्यालयी कार्यों में दक्षता विकसित कराने के उद्देश्य से दिनांक 10.02.2020 से 14.02.2020 तक 05 दिवसीय हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई। इस दौरान डॉ. मधुसूदन दत्त, राजभाषा अधिकारी/पूर्व रेलवे/आसनसोल, श्री जीतन वर्मा, राजभाषा अधिकारी/ईसीएल/सांकतोड़िया के साथ-साथ विभिन्न व्याख्यताओं ने अपने व्याख्यान दिए। दिनांक 14.02.2020 को कार्यशाला के समापन दिवस में पूर्व रेलवे मुख्यालय/ कोलकाता से पधारे श्री प्रेमचंद डांग, उपमहाप्रबंधक (राजभाषा) ने कार्यशाला में व्याख्यान दिया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि संविधान के प्रावधानों में वर्णित कर्तव्यों का पालन करना केन्द्र सरकार के सभी कर्मचारियों एवं अधिकारियों का प्रधान दायित्व है। उन्होंने राजभाषा के प्रचार एवं प्रसार के लिए आवश्यक सुझाव दिए एवं आशा व्यक्त की इस कार्यशाला से राजभाषा के प्रचार-प्रसार में अवश्य ही वृद्धि होगी। कार्यशाला के अंत में उपस्थित प्रशिक्ष कर्मचारियों के बीच एक सत्रांत परीक्षा ली गई। इस सत्रांत परीक्षा में सफल होने वाले कुल 06 कर्मचारियों को पुरस्कृत किया जाएगा। *मंडल के राजभाषा विषयक वेब साइट को अद्यतन किया गया, जिसके अंतर्गत राजभाषा विषयक उपलब्धियों को दर्शाया गया।
- * राजभाषा नियम 1976 के नियम के तहत चित्तरंजन, जामताड़ा, विद्यासागर, एवं गिरिडीह स्टेशनों पर कार्यरत वाणिज्य एवं परिचालन विभाग के हिंदी में प्रवीणता प्राप्त कर्मचारियों को विनिर्दिष्ट कार्य हिंदी में करने के लिए राजभाषा नियम 10(4) के अन्तर्गत व्यक्तिशः आदेश जारी किये गये। (16.12.2019)
- * 'राजभाषा सारथी' का विमोचन : महाप्रबंधक के कर-कमलों से राजभाषा विभाग द्वारा प्रकाशित 'राजभाषा सारथी' फोटो पुस्तिका का विमोचन किया गया। इस फोटो पुस्तिका में अप्रैल, 2019 – दिसंबर, 2019 तक की राजभाषा विभाग की प्रमुख गतिविधियों को दर्शाया गया है। (10.01.2020)
- * विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर राजभाषा विभाग के तत्त्वधान में श्री सुनीत शर्मा/महाप्रबंधक/पूर्व रेलवे और श्री सुमित सरकार/मंरेप्र तथा प्रधान कार्यालय एवं मंडल के गणमान्य अधिकारियों व कर्मचारियों की उपस्थिति में 'विवेकानंद इंस्टीच्यूट/डुंड' में सुश्री आकांक्षा बारी, सुपुत्री श्री आनंद कुमार आनंद/आसनसोल द्वारा उत्कृष्ट हिंदी गीत की प्रस्तुतिकी गयी। (10.01.2020)
- ❖ **स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान हिंदी गीत की प्रस्तुति :** स्वच्छता पखवाड़ा, 2019 के उपलक्ष्य में दिनांक 19.09.2019 को महाप्रबंधक/पूर्व रेलवे के आसनसोल आगमन पर राजभाषा विभाग की ओर से सुश्री अकांक्षा बारी द्वारा स्वच्छता गीत की प्रस्तुति दी गयी।
- राजभाषा पखवाड़ा -2019 के तहत विभिन्न कार्यक्रम :** क) अन्तर विभागीय हिंदी नाट्य प्रतियोगिता के अंतर्गत तीन नाट्य टीमों ने विविध विषयों पर प्रभावशाली नाटकों का मंचन किया। 'एक पत्र' - श्री अंजन राय, कार्यालय अधीक्षक डीज़ल शेड/अंडाल की टीम, 'जिंदगी : सपनों की एक गाड़ी' - श्री इंद्रनील दत्ता, लिपिक, मं. सिग. एवं दूरसंचार इंजी./निर्माण की टीम और पेड़ बचाओ : जीवन बचाओ - श्रीमती पियाली कुंडू, बॉक्स 'एन' डिपो/अंडाल की टीम। इनमें प्रथम स्थान प्राप्त एकांकी 'एक पत्र' का मंचन दिनांक 05.09.2019 को किया गया, जिसमें एक अशिक्षित किसान और उसके परिवार की त्रासदी को बड़े मार्मिक रूप से चित्रित किया गया था। नाटक के अंतिम दृश्य ने उपस्थित दर्शक दीर्घा को भाव-विह्वल कर दिया।
- ख) दिनांक 06.09.2019 को 'ईएलटीसी/आसनसोल' में मंडल के कर्मचारियों के लिए राजभाषा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न विभागों के 60 प्रतिभागियों ने भाग लिया। तीन-तीन प्रतिभागियों की बीस टीमों ने क्विज-मास्टर डॉ. मधुसूदन दत्त/राजभाषा अधिकारी के प्रश्नों का उत्साह पूर्वक जवाब दिया। सफल टीमों को 16.09.2019 को राजभाषा पखवाड़ा के अंतिम सत्र में आयोजित पुरस्कार-वितरण समारोह में मंडल रेल प्रबंधक श्री सुमित सरकार ने नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया।
- ग) दिनांक 11.09.2019 को मंडल के अधिकारियों के लिए राजभाषा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गयी। मंडल रेल प्रबंधक श्री सुमित सरकार की अध्यक्षता में आयोजित इस प्रतियोगिता में उपस्थित अधिकारियों ने क्विज मास्टर डॉ. मधुसूदन दत्त के राजभाषा विषयक प्रश्नों का उत्तर दिया।
- घ) दिनांक 12.09.2019 को राजभाषा प्रदर्शनी का आयोजन किया मंडल कार्यालय में आयोजित इस प्रदर्शनी में लेखा, यांत्रिक, शक्ति, सुरक्षा, कार्मिक, विद्युत सामान्य, टीआरएस, डीज़ल शेड आदि विभागों में हिंदी से निपटाये गये कार्यों को प्रदर्शित किया गया था। तत्कालीन अपर मुराधि-सह-वरि.मंडल वित्त प्रबंधक श्री मनीष,

वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त श्री चंद्रमोहन मिश्र तत्कालीन वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री ए. केसरवानी और राजभाषा अधिकारी डॉ. मधुसूदन दत्त की निर्णायक मंडली के संयुक्त मूल्यांकन के आधार पर परिणाम इस प्रकार थे : प्रथम सुरक्षा विभाग, द्वितीय कार्मिक, तृतीय डीज़ल शेड/ अंडाल

- * राजभाषा पखवाड़ा, 2019 के समापन दिवस पर दिनांक 16.09.2019 को एक भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। 'विवेकानंद इंस्टीच्यूट' में मंडल रेल प्रबंधक श्री सुमित सरकार की अध्यक्षता तथा तत्कालीन अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री आर.के.बरनवाल, एवं गणमान्य कवियों तथा शाखा अधिकारियों द्वारा दीप-प्रज्ज्वलन के साथ समारोह का परंपरागत शुभारंभ हुआ। निवर्तमान अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी-सह-वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक श्री मनीष ने आगत कवियों, अधिकारियों, कलाकारों, सफल प्रतिभागियों के बीच स्वागत अभिभाषण प्रस्तुत किया। इसके उपरांत सुश्री अत्रिजा मिश्रा सुपुत्री श्री टिंकु मिश्रा/अंडाल द्वारा स्वागत गीत पर प्रस्तुत नृत्य ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके उपरांत मंडल रेल प्रबंधक श्री सुमित सरकार ने अंग-वस्त्र और पुष्प गुच्छ देकर माननीय कवियों का स्वागत किया। इसके बाद राजभाषा अधिकारी डॉ. मधुसूदन दत्त ने कवि-सम्मेलन के मंच संचालन हेतु श्री विजय कुमार गुप्ता/काधी/कार्मिक विभाग/जमालपुर को आमंत्रित किया। सर्वप्रथम इलाहाबाद से पधारी सश्री साक्षी तिवारी ने कला और विद्या की देवी सरस्वती के वंदना गीत से इस काव्य-सरिता का गरिमामय शुभारंभ किया। इसके बाद अखिल भारतीय काव्य-मंच के सुप्रसिद्ध हास्य कवि श्री अखिलेश द्विवेदी ने जब सामयिक विषयों को लेकर अपनी कविताओं की भाव-धारा प्रवाहित की तो, पूरा श्रोता वर्ग हास्य रस में डूब गया। देश की सामाजिक विद्रूपता व राजनीतिक विडंबनाओं को कवि श्री द्विवेदी ने अपनी कविताओं की कसौटी पर कसा तो व्यंग्य की धार प्रभावशाली हो गयी। इसके उपरांत आसनसोल मंडल के वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त श्री चंद्र मोहन मिश्र ने रेलवे की कार्य-प्रणाली पर काव्य पाठ कर लोगों का मन मोह लिया। इसी क्रम में सहायक मंडल वित्त प्रबंधक श्री प्रवीण कुमार ने रेल और जिंदगी की साम्यता को प्रतिबिंबित करती अपनी संक्षिप्त किंतु सरल कविता सुनायी। मुंगेर से पधारे श्री विजेता मुदगलपुरी ने अंगिका में रचित अपनी कुंडलियों से खास रंग जमाया। श्रोताओं की मांग पर पुनः आमंत्रित साक्षी तिवारी ने अपनी देशभक्तिपूर्ण कविताओं द्वारा वीरता का रस-प्रवाह किया। कोलकाता से पधारे श्री रघुनाथ प्रसाद 'गुस्ताख' ने अपनी सुप्रसिद्ध भोजपुरी कविता 'बांस के व्यापारी' द्वारा दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। साहेबगंज के कवि श्री विजय कुमार ने भी अपनी देशभक्ति पूर्ण कविता के सारगर्भित पाठ से लोगों का मन मोह लिया। अंत में श्री विजय कुमार गुप्त ने धीर-गंभीर भाव से ओत-प्रोत कविताओं द्वारा श्रोतावर्ग को प्रभावित किया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में मंडल रेल प्रबंधक श्री सुमित सरकार ने कवियों और कलाकारों को मानदेय प्रदान कर सम्मानित किया। इसके उपरांत राजभाषा की विभिन्न प्रतियोगिता में सफल अधिकारियों और कर्मियों को पुरस्कार और प्रमाण-पत्र देकर

सम्मानित किया। राजभाषा प्रदर्शनी के विजेता विभागों को ट्रॉफी और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस प्रदर्शनी में सुरक्षा प्रथम, कार्मिक द्वितीय और डीज़ल शेड/अंडाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मंडल रेल प्रबंधक ने इस प्रकार के सफल आयोजन के लिए राजभाषा विभाग की भूरि-भूरि प्रशंसा की। कार्यक्रम का संचालन राजभाषा अधिकारी डॉ. मधुसूदन दत्त ने किया।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में राजभाषा विभाग के अनुवादकों सर्वश्री दिलीप क. पासवान, बी.बी.पांडेय, संजय राउत, पुरुषोत्तम कु.गुप्ता तथा मंजू देवी श्रीवास्तव, जीए का सराहनीय सहयोग रहा। राजभाषा अधिकारी डॉ. मधुसूदन दत्त के धन्यवाद ज्ञापन के पश्चात राजभाषा पखवाड़ा-2019 समारोह सम्पन्न हुआ।

बापू से

- चंद्र मोहन मिश्र

वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त
पूर्व रेलवे, आसनसोल

बस एक बार फिर जन्म लो बापू,
गांधी जन्मो जन-जन में,
सत्य अहिंसा की लकुटी लेकर,
हर कोई डटा रहे जीवन के रण में।

जन-जन का संकल्प तीव्र हो,
हर मन में जन्मे दावानल ,
भस्म हो जाएं जिसमें,
भ्रष्टाचार सांप्रदायिकता और छल।

आत्मनिर्भरता का अवलंबन लेकर, हम फिर से
करें दांडी प्रयाण, असहयोग की ज्वाला जले ,
चलें स्वदेशी का प्रण लेकर हम।

शुरू हो रचनात्मक कार्य व गांव-गांव तक जाएं हम,
लायें तेरा सुराज,
वंचितों को न्याय दिलाएं हम

अहिंसा का प्रण लेकर हम,
बंदूक से टकरायें,
आतंकी नक्सली पथ भ्रष्टों को,
सत्य पथ पर लाएं।

सत्याग्रह का बिगल बजेगा,
जाति पंथ का भेद मिटेगा,
क्षेत्रवाद के किले ढूँहेंगे,
हर भारतवासी मुस्काएगा।

वंदे मातरम का नाद गूँजेगा,
हर गली चौबारों में,
समरसता के फूल खिलेंगे,
जन-गण-मन के गलियारों में,
बस एक बार फिर जन्म लो बापू,
गांधी जन्मो जन-जन में,
सत्य अहिंसा की लकुटी लेकर,
हर कोई डटा रहे जीवन के रण में।



— मनीष

वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक
पूर्व रेलवे, आसनसोल

क्या सिंघेश्वर बाबा, बड़े परेशान दिख रहे हैं। कुछ हुआ है क्या ?

- अरे क्या कहें बाबू, शहर से परमेश्वर ने खबर किया है कि 'बाबूजी', अभी दो-तीन महीने तक हम कुछ भी नहीं भेज पाएंगे। लॉकडाउन के कारण सारा कारोबार ठप्प हो गया है।.....इधर खेती-गृहस्थी सब चौपट हो गयी है और हम कुछ करने लायक रह भी नहीं गये हैं। अब इसी चिंता में घुले जा रहे हैं। जाने अब आगे क्या होगा ??
(बाबा गमछे में मुंह ढंक कर रोने लगे)

- प्रणाम चाचा! चाची को रिक्शा पर टांगें-टांगें कहां लिए जा रहे हैं?

- अरे बाबू, हट भी जाओ ना, क्या बताऊं, मैं आपको? - काकी को सर्दी-खांसी हुआ तो, उतर ही नहीं रहा था। तुलसी- काढ़ा, हल्दी- दूध सब पिलाए! ठीक ही नहीं हुई! आज इसको लेकर सरकारी अस्पताल ले गए। बाबू, क्या कहें जी! वहां तो हम लोगों को लगा कि उन लोगों ने हमें अच्छूत बना दिया है। एक तो बोल दिया कि उस काउंटर पर जाओ। वहां गए तो वहां का लोग बोला - वहां नहीं, वहां ले जाओ, और वहां जो गए तो, काउंटर ही बंद पड़ा था (काका फफक-फफक कर रोने लगे), थक-हार कर, जहां से दवाई खरीदते हैं, वहीं गए तो बेचारों ने दो टाइप का टेबलेट और एक सिरप दे दिया है। बोला कि इसी से काकी ठीक हो जाएगी। देखते हैं बाबू, रामजी भली करेंगे!

(काका रूआंसे से हो गए)

-अरे, अरे सिन्हा जी! आप यहां इस मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल में? सब खैरियत तो है?

- अरे भाई, क्या बताएं? आम डॉक्टर तो अभी पेशेंट से सिर्फ खिलवाड़ कर रहे हैं। थक-हार कर यहां आया हूं। 'कीमो' लेना था। जहां ट्रीटमेंट लेता था, उस हॉस्पिटल को तो कोविड हॉस्पिटल बना दिया गया है। इसीलिए यहां आया। यहां भी सौ तरह का नखरा पसरा हुआ है। दस दिन से इस चेंबर, उस चेंबर- इस ऑफिस, उस ऑफिस दौड़ रहा हूं। क्या करूं? डर के मारे अंदर से टूट गया हूं!

(सिन्हा जी ने चुपचाप अपने आंसू पोंछ लिया।)

-अरे कमली, तू काहे को रो रही है?

- क्या कहूं चाचा, भैया को जैसे-तैसे राखी भेजी थी। मोबाइल पर खबर भी की थी।..... सच में चाचा बहुत मुश्किल में हूं। भैया को दस-बारह बार बात करने की कोशिश की। वह तो चिल्ला कर सीधे कहता है कि- 'चुपचाप अपने घर में रहो, हम को तंग मत करो। हम अपने-आप में भारी टेंशन में हैं। चारों तरफ

लॉकडाउन है। तुमको पता है भी कि नहीं? '

(कलप-कलप के कमली रोने लगती है)

- सोमारू चाचा, चेहरा क्यों उड़ा हुआ है? घर में सब ठीक तो है?

-क्या ठीक रहेगा बाबू? भारी फजौहत हो रही है। सूरत, गुजरात, बंबई, और कलकत्ता- से चारों बेटे और उसका परिवार सब, जैसे-तैसे फटेहाल यहां पहुंच गए हैं। खुशी तो हुई कि सभी बाल-बच्चे राजी-खुशी हैं। कुछ ही दिन ठीक-ठाक रहा। मगर अब तो कुछ पूछो ही मत बाबू! कहां तो हम बूढ़ा-बुढ़ी, दो जीव रहते थे और ठीक-ठाक बंट-बंट कर जी रहे थे,.... और अब, अब तो अठारह-बीस लोगों के बीच रोज हमेशा काँव-कीच होती रहती है। किस-किस को संभालेंगे। सभी तो अपना ही खून है। इतने लोगों के बीच, रोज-रोज बंट-बंट कर, अपना और बुढ़िया का दिल जार- जार रोता रहता है! कुछ मत पूछो बाबू!

(सोमारू चाचा बुक्का फाड़कर फूट पड़ते हैं!)

बस इतने ही लोगों के साथ मिल सका था और यही मालूम हुआ है कि लॉकडाउन के कारण सिर्फ आम लोग ही सड़क पर नहीं आए, लोगों के बीच के रिश्ते भी सड़क पर आ गए हैं। श्रमिकों के पांव ही नहीं थके, बल्कि रिश्तों की गतिशीलता भी थम गई है। 'सोशल डिस्टेंसिंग' को सिर्फ 'शारीरिक दूरी' का पर्याय समझा गया, किंतु इसके बहाने सामाजिक और पारिवारिक दूरत्व और दुराशा ने मनुष्यता को आधे-अधूरे रूप में खंडित कर दिया है। क्षुद्र मानसिकता ने विकराल स्वरूप धारण कर लिया है। लॉकडाउन ने लोगों की मानवीय संवेदना को लगभग शून्य कर दिया है। कोरोना के बहाने लॉकडाउन के दौर में, लोगों के बीच की आपसी दूरी - हमारे आधुनिक समाज की सबसे बड़ी महामारी बनकर उभरी है।

कुछ गम-ए-जिंदगी है (गीत)

- प्रवीण कुमार

सहा. मं. वित्त प्रबंधक
पूर्व रेलवे, आसनसोल

कुछ गम-ए-जिंदगी है

कुछ गम में जिंदगी है

इन गम के साहिलों में

थोड़ी-बहुत खुशी है।

हो जाओ थोड़े शामिल

किसी के गम-ओ-खुशी में

छतरी भरोसे की दो

गमगीन जिंदगी में।

नित भय जो बढ़ रहा है

मानव सिहर रहा है

विपदा-कुचक्र में फंस

रोता विचर रहा है।

जो बन सको तो बन जा

तिनके -का-सा सहारा

तेरी उंगलियां पकड़

कोई पा सके किनारा।

कोई अर्थ मिल सकेगा

तेरे मन को और जीवन को

जो एक रोता मानव

हंसता दिखे नयन को।

संवाददाता की भूमिका (आलेख)

भारतीय लोकतन्त्र को सही दिशा, मार्गदर्शन, अनुशासन एवं सामाजिकता में रखने के लिए भारतीय संविधान में कार्यपालिका न्यायपालिका तथा व्यवस्थापिका के अलावा एक चौथा तन्त्र बनाया गया, जिसे 'प्रेस' कहते हैं। 'प्रेस' अपने कार्य के लिए दूर दराज के देशों की भौगोलिक, पारिस्थितिकी तथा मानविक, प्राकृतिक एवं दैविक घटनाओं की जानकारी पाने के लिये एक माध्यम अर्थात् संवाददाता चुनता है। जो बड़े से शहर एवं गली में समुद्र की तलहटी से लेकर माउंट एवरेस्ट के ग्लेशियर तक जाकर पूछ-ताछ एवं चारों तरफ की जानकारी हासिल करके मीडिया तंत्र तक पहुँचाता है। दूरदर्शन आकाशवाणी तथा मोबाईल एवं अन्य उपतन्त्र तक सूचनाओं में इस भंडार को तरतीब ओर तरकीब से सजाकर पेश करते हैं। वह एक ऐसा माध्यम है जिसमें एक आदमी एक पेन के दायरे में होते हुए भी किसी बलवान दुष्ट एवं घमण्डी व्यक्ति के अहंकार को चकनाचूर कर देता है।

अगर हमसे कोई पूछे कि आप संवाददाता क्यों बनना चाहते हैं? तो इसका उत्तर बहुत ही सरल भाव में यह है कि इससे उसकी बुद्धि और ज्ञान बढ़ता है, निर्भीकता एवं तत्परता आती है। संवाददाता बनने से अच्छे एवं बुरे लोगों से वाद-विवाद करने का अवसर मिलता है। इसमें दूर-दाराज एवं दुर्गम स्थान बाढ़, समुद्र, भौगोलिक ज्ञान अन्तरिक्ष ज्ञान राजनैतिक ऐतिहासिक, खेल, व्यावसायिक ज्ञान - विज्ञान सम्बन्धित विषयों में ज्ञान का विस्तार होता है। एक गरीब से लेकर एक संवृद्ध व्यक्ति तक, राष्ट्रपति से लेकर जंगल में बसने वाले एक खूंखार व्यक्ति से लेकर अच्छे मनुष्य से साक्षात्कार लेने का मौका मिलता है। इससे विभिन्न लोगों से मिलने पर साक्षात्कार लेने का मौका मिलता है। इससे विभिन्न लोगों से मिलने पर विभिन्न भाषाओं की जानकारी और ज्ञान बढ़ती है। श्रमिक एवं प्रबन्धन से बीच उपजी वाद - विवाद को सुलझाता है।

संवाददाता का मुख्य उद्देश्य यह होता है कि

(क) देश विदेश के समाचार की हर मनुष्य तक पहुँचाना।

(ख) जनता की आवाज सरकार तक तथा सरकार की बातें जनता तक पहुँचाना।

(ग) यह चोर-बाजारी, भ्रष्टाचार, कालाधन, तथा भ्रष्ट लोगों के असली मुखौटों की उजागर करना।

(घ) अच्छे व्यक्ति को गलत रास्ते पर जाने से रोकना है।

(ङ) संवाददाता हमेशा निष्पक्ष, निस्वार्थ एवं स्वतंत्र होकर कार्य करता है।

(च) यह भौगोलिक, वैज्ञानिक एवं ऐतिहासिक ज्ञान को इकट्ठा करके शिक्षित एवं बेरोजगार युवकों तक पहुँचाता है।

(छ) शिक्षित एवं बेरोजगार युवकों के लिए रोजगार विज्ञापन दूढ़ कर उन तक पहुँचाता है।

(ज) यह अपराधिक, चलचित्र, हड़ताल भूखमरी क्षेत्र की घटना आदि को घर-घर तक पहुँचाना का माध्यम होता है।

आज हम सब लोगों को कही न जाकर घर में बैठे-बैठे मीडिया तंत्र के माध्यम से सभी प्रकार एवं क्षेत्रों की जानकारी हासिल होती है। हर संवाददाता आपने क्षेत्र की जानकारी के लिए परिपक्व होता है। इतना कुछ देने के बावजूद संवाददाता की भूमिका पर आजकल प्रश्न चिन्ह लगने लगा है। ये अपने रचनात्मक और सकारात्मक दायित्वों से चूकने लगा है। इस लिए जरूरी है कि वे अपनी समाजिक और राष्ट्रीय भूमिका को समझें और राजनीति एवं बाजारू दबावों से मुक्त होकर अपने सकारात्मक दायित्वों का निर्वाहन करें।

— यशवन्त कुमार आर्य

वरिष्ठ अनुभाग अभियन्ता (समाधि)

आसनसोल, पूर्व रेलवे

योद्धा (कविता)

— अखिलेश कुमार

स्टेशन मास्टर

पूर्व रेलवे, जोड़ामो

सुनो ऐ योद्धा - !

सारा श्रेय अकले- लेकर तुम्हें क्या मिलेगा ?

सारे किये कराए पर पानी फिरेगा !!

ठहरो, बचो-

एकाकी यश के इस सुनहरे फंदे से -

बड़ा घातक होता है -मारक होता है,

सफलताएं मिटकर, विनाशक होती हैं।

दिक्-दिगंत में, गाड़ आए झंडे-

कामयाबी के नये-नये फंदे- !!

यशोगान, भरपूर सराहना-

तरह-तरह के तमगों का तनाव -

कहाँ ले जाएगा तुम्हें, यह उद्वेलित बहाव- ??

पंक्ति में तुम पहले, पंगत में पुरोहित-

सबकुछ कबूल है- !!

किंतु बबूल, राह में तभी उगते हैं,

जब तुम अकेले सफलता का स्वाद चुगते हो !!

कौरवों के दल में रह कर ही-

कर्ण, मृत्यंजय नहीं बन सका- !!

तमाम गुणों के रहते,

अजेय धनुर्धर का हुनर रहने के बावजूद

एकाकी कारणिक, खंडित मृत्यु मिली !!

याद रखो योद्धा- !

सफलता तभी सार्थक होती है-

जब सबको साथ लेकर फलती है-

खुल कर पकती है

कोरोना महामारी : शंका और समाधान

(सम-सामयिक आलेख)

डॉ. वी.के.चौबे, अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक मंडल अस्पताल, पूर्व रेलवे, आसनसोल खान-पान संबंधी हमारी लापरवाहियाँ और अनियंत्रित जीवन-शैली हमेशा मानव-जीवन को खतरे में डालती रही है। 'खतरों का खिलाड़ी' बनने के चक्कर में हम काफी कुछ ऐसा कर गुजरते हैं जिसका दुष्परिणाम व्यापक होता है। वर्तमान परिदृश्य में कोविड-19 वायरस के प्रकोप से पूरी दुनिया आतंकित और त्रस्त है। अमेरिका, फ्रांस, इंग्लैंड, इटली, ब्राजील आदि विकसित एवं सुख-सुविधा संपन्न देशों को झकझोरने के साथ-साथ यह जानलेवा वायरस अब अपने देश में भी पूरा पैर पसार चुका है। कोरोना एक वैश्विक महामारी का रूप धारण कर चुकी है।

सामान्यतः। बीमारी के महामारी में बदलने के निम्नलिखित प्रमुख कारण हैं :-

- क) बीमारी की गंभीरता को अनदेखा किया जाना।
- ख) व्यक्तिगत और सामुदायिक स्तर पर लापरवाह होना।
- ग) बीमारी के लक्षणों पर ध्यान नहीं देना एवं समय रहते चिकित्सीय सलाह न लेना।
- घ) बीमारी से बचाव संबंधी उपायों और परहेजों का नियमित पालन नहीं करना।
- ङ) बीमारी के बारे में फैलायी जा रही अफवाहों के फंदे में फंसना।
- च) इलाज बतलाने वाले तथाकथित नीम-हकीमों के चक्कर में पड़ना।
- छ) प्रशासनिक दिशा-निर्देशों (गाइडलाइन) की अवहेलना करना।
- ज) मान्यताप्राप्त चिकित्सीय उपायों को नहीं अपनाना।

उपरोक्त सभी कारणों के रोकथाम का दायित्व अंततः समाज में रहने वाले लोगों पर है। इससे संबंधित सभी निर्देशों, परहेजों और सावधानियों का अनुपालन प्रत्येक व्यक्ति अपने स्तर पर समय रहते करता, तो काफी हद तक यह बीमारी, महामारी में नहीं बदलती। अब चूँकि हमलोगों के आस-पास कोरोना अपने रौद्र रूप में आ चुका है, हमलोगों का सामूहिक दायित्व है कि खुद को और परिजनों को इस रोग से बचाने का उपाय करें। लोगों को आज सचेत होने की जरूरत है। आइए इस रोग से संबंधित शंकाओं और उनके समाधान पर विचार करें।

☞ क्या कोविड-19 वायरस मांस, मछली, सब्जियों या फलों में पनप सकता है?

— नहीं, क्योंकि ये मात्र जीवित जंतु कोशिकाओं में ही पनप सकता है, मृत कोशिकाओं में नहीं। सभी कोशिकाओं के समायोजित जैविक-क्रियाओं के कारण ही कोशिकाएं जीवित रह पाती हैं। फल-सब्जियों की पादप कोशिकाओं में ये वायरस प्रवेश नहीं कर सकते।

☞ यह वायरस किस प्रकार एक से दूसरे संवाहक तक पहुँचता है?

— किसी संवाहक (होस्ट) के शरीर में प्रवेश के बाद ये वायरस उसकी कोशिकाओं के डीएनए के सहारे अपनी संख्या में भारी वृद्धि करता है। यही वायरस, संवाहक (होस्ट) के छींकने या खांसने पर सामने की हवा में फ़ैल जाते हैं। इसी क्रम में यदि किसी स्वस्थ व्यक्ति की सांस के साथ हवा में तैरता वायरस उसके अंदर चला जाता है तो उसे एक नया संवाहक (होस्ट) मिल जाता है। वह संक्रमित व्यक्ति के रोग प्रतिरोधक क्षमता को प्रभावित करता है। इस प्रकार एक 'चेन सिस्टम' बनता चला जाता है।

☞ इस रोग के रोकथाम के लिए किन दवाइयों का प्रयोग किया जाता है?

— कोविड-19 संक्रमण की रोकथाम के लिए अभी कोई प्रामाणिक दवा नहीं है। 'आइसीएमआर' ने स्वास्थ्य कर्मियों के लिए हाइड्रोक्सीन क्लोक्विन दवा की सिफारिश की है। यह दवा मानव कोशिकाओं की झिल्ली (मेंब्रेन) को मजबूत करता है, और कुछ वायरसों के विरुद्ध रोग-प्रतिरोधी क्षमता को बढ़ा देता है। किंतु यह दवा काफी संवेदनशील है। अतः इसका उपयोग डॉक्टर की सलाह पर ही करना चाहिए।

☞ क्या विटामिन-सी और विटामिन-बी कॉम्प्लेक्स का उपयोग किया जा सकता है?

— अप्रत्यक्ष प्रमाण मिले हैं कि विटामिन-सी, विटामिन-डी और विटामिन-बी कॉम्प्लेक्स कसल का सेवन इस वायरस के विरुद्ध हमारी रोग-प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करता है। विटामिन-सी की पूर्ति के लिए ताजे फलों (नींबू, संतरा, आंवला) का सेवन करना अधिक फायदेमंद होता है। विटामिन-डी को दूध, दही, और सूरज की रोशनी से प्राप्त किया जा सकता है।

☞ कोरोना की रोकथाम के लिए होमियोपैथिक दवाओं का उपयोग फायदेमंद रहेगा?

— यद्यपि 'आयुर्वेद निदेशालय' और 'स्वास्थ्य और परिवार-कल्याण मंत्रालय' द्वारा होमियोपैथिक दवाओं की सिफारिश की गयी है किंतु 'आइसीएमआर' द्वारा इस औषधि को वैज्ञानिक वैधता प्रदान नहीं किया गया है।

☞ शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाली कौन-कौन-सी भोज्य सामग्रियाँ हैं?

— प्रायोगिक तौर पर देखा गया है कि हल्दी और अदरक को भोज्य-पदार्थों के साथ पका कर खाने से शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता में बढ़ोतरी होती है। ऑक्सफोर्ड में तीन मानव-समूहों में इसका प्रयोग करके यह नतीजा निकाला गया कि भोज्य पदार्थों के साथ पके-पकाए रूप में हल्दी और अदरक अधिक फायदेमंद है।

☞ इनके अतिरिक्त और किन घरेलू चीजों का उपयोग किया जा सकता है?

— निम्नलिखित सरल और उपयोगी उपायों का सहारा लिया जा सकता है, जिनका कोई साइड-इफेक्ट नहीं है :-

ए) गर्म पानी पिएं।

बी) गुनगुने पानी में नींबू निचोड़ कर पिएं।

सी) काली मिर्च आदि का काढ़ा पिएं।

डी) सांस-नियंत्रण पर आधारित व्यायाम नियमित रूप से करें।

ई) तेज गति से टहलें या घर पर ही स्टैंड-साइकिल पर पैडल मारें जिससे आपका श्वसन-तंत्र मजबूत रहे और रोग-प्रतिरोधक क्षमता का विकास हो।

☞ कोविड-19 के लक्षण क्या हैं?

— यह आकलन किया गया है कि 80 % कोविड-19 से संक्रमित लोगों में किसी प्रकार का लक्षण तत्काल नहीं दिखाई देता है। संक्रमण बढ़ने पर निम्नलिखित लक्षण दिखते हैं :-

* शरीर का तापमान 100 फारेनहाइट (37.8 सेल्सियस) से अधिक रहता है।

* खांसी और बदन-दर्द की शिकायत रहती है।

* बुखार और खांसी के कुछ दिनों के बाद सांस लेने में तकलीफ बढ़ जाती है और रक्त में ऑक्सीजन की मात्रा में खतरनाक स्तर तक गिरावट

होती है। स्वाद एवं गंध की चेतना कम हो सकती है।

☞ कोविड-19 ग्रस्त व्यक्ति के संपर्क में आये व्यक्ति की तत्काल जाँच संभव क्यों नहीं है ?

— जब कोई व्यक्ति वायरस-संक्रमण के दौर से गुजरता है उसमें लक्षण तब तक नहीं दिखते, जब तक कि वायरस कोशिकाओं में जाकर अपनी संख्या काफी वृद्धि नहीं कर लेते हैं। उस स्थिति में 'आरटी-पीसीआर टेस्ट' में इसका पता चलता है। इसके बाद संक्रमित व्यक्ति को 'सेल्फ आइसोलेशन' की सलाह दी जाती है।

☞ 'सेल्फ आइसोलेशन' के दौरान क्या-क्या सावधानियाँ बरतनी चाहिए ?

- * संक्रमित व्यक्ति के लिए अलग कमरा रहना चाहिए।
- * केवल उस रोगी के उपयोग के लिए ही संलग्न (अटैच्ड) बाथरूम-टॉयलेट का अलग से इंतजाम रहना चाहिए।
- * खाना खाने के बाद उसके सभी बरतनों और कपड़ों को 1% ब्लिचिंग घोल में कम-से-कम 30 मिनट तक डूबा कर रखना चाहिए।
- * 14 दिनों के सेल्फ-आइसोलेशन के बाद उस व्यक्ति को स्वयं अपना कमरा, टॉयलेट-बाथरूम को 1% ब्लिचिंग घोल से साफ कर लेना चाहिए, तत्पश्चात, उसका उपयोग अन्य लोगों द्वारा किया जाना चाहिए।
- * आइसोलेशन के दौरान किताबें पढ़ना और योग व ध्यान करना (मेडिटेशन) रोगी को मानसिक शांति प्रदान करता है।
- * सामान्य खान-पान पर रहना चाहिए। काफी पानी पीना चाहिए, क्योंकि आराम के दौरान प्यास कम लग सकती है।
- * भोज्य पदार्थों में अदरक और हल्दी का प्रचुर उपयोग करना चाहिए।
- * बुखार और बदन-दर्द में कमी के लिए डॉक्टर के निर्देशानुसार पैरासिटामोल का उचित उपयोग करना चाहिए।
- * काढ़ा और गुनगुने पानी में नींबू के घोल का सेवन करना चाहिए।
- * श्वसन-तंत्र की सक्रियता के लिए गर्म पानी का भाप नासिका द्वारा लेना चाहिए। सांस से संबंधित व्यायाम करना चाहिए।

☞ किस प्रकार के मास्क पहने जाएं ?

कपड़े के बने तीन तह वाले मास्क या सर्जिकल मास्क का उपयोग किया जा सकता है।

☞ मास्क पहने या खोलने का विशेष तरीका है ?

— मास्क को इस प्रकार पहनना चाहिए कि पहनते समय नाक-मुँह ढँकने वाले हिस्से को छुना नहीं पड़े। मास्क पूरी तरह से मुँह और नाक को ढँक ले। कपड़े के मास्क को साबुन से धोकर ही फिर से उपयोग में लाना चाहिए।

☞ प्रमुख रूप से कौन-सी सावधानियाँ बरती जाएं।

- * सार्वजनिक स्थल पर मास्क को अवश्य लगाएं।
- * अनावश्यक यात्राओं से बचें। सार्वजनिक स्थल पर शारीरिक दूरी (सोशल डिस्टेंसिंग) अवश्य बनाए रखें।
- * सार्वजनिक स्थल की किसी भी वस्तु को छूने पर साबुन से हाथ धोएं।
- * ऑफिस आदि में भी बीच-बीच में सेनिटाइज़र का प्रयोग करना चाहिए।
- * सब्जी, फल, मछली, मांस, अंडा आदि घरेलू उपयोग की सामग्रियों को अच्छे से धोकर प्रयोग में लाएं। चावल, चीनी चाय आदि जैसी सामग्रियों के रैपर/ पैकिंग को ऊपर से पानी से धो कर घर में लाएं।

* घर से अनावश्यक बाहर न निकला करें।

वस्तुतः कोविड-19 के 'चेन सिस्टम' से 'कमजोर कड़ी' को अलग करके समाज में इसके फैलाव को नियंत्रित किया जा सकता है। 'क्वारेन्टाइन' या 'सेल्फ आइसोलेशन' का उद्देश्य भी यही है। संक्रमित व्यक्ति को समुदाय से अलग करके उसकी उचित देख-भाल की जाती है, ताकि बाकी लोग सुरक्षित रहें। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा समय-समय पर जारी कोविड-19 संबंधी दिशा-निर्देशों (गाइड लाइन) का पालन लोगों द्वारा गंभीरतापूर्वक करने की जरूरत है। इसके लिए लोगों को सचेत करने की भी जरूरत है। ऐसा करके ही कोरोना-महामारी के फैलाव को रोका जा सकता है।

हिंदी

— रिया साहू, सुपुत्री प्रदीप कुमार साहू
वरि. तक., टी.आर.एस/आसनसोल

देश के माथे की बिंदी है
हमारी राष्ट्र भाषा हिंदी है।
जिसने पूरे देश को जोड़े रखा है,
वह धागा है हिंदी।
संस्कृत की एक लाइली बेटी है हिंदी
बहनों को साथ लेकर चलती है हिंदी
जिसके बिना हिंद थम जाए
ऐसी जीवन रेखा है हिंदी।
संस्कृत के उद्गम से कलकल बहती हुई
समस्त भाषाओं से मिलकर साहित्य के सागर में
तैरती है, हिंदी।
उत्तर से दक्षिण, पूर्व से पश्चिम
चहु दिशा हिंदी का बोलबाला है।
अ, आ, क, ख, ग, घ, हिंदी की वर्णमाला है
हिंदी की बोली अनमोल, एक शब्द के कई विलोम।
हिंदी में पढ़ते हैं, हिंदी में लिखते हैं,
हिंदी में गाते हैं भजन अनमोल
इसी तरह से है हिंदी के कई मोल,
हिंदी हिंद हिमालय पर शोभित,
चरण धोते इसके सागर आंदोलित।
प्रसाद, पंत, निराल, तुलसी और रहीम,
सभी ने जग में चलाई हिंदी की मुहिम
हिंदी में बसते हैं हम सबके प्राण,
हिंदी के बिना अधूरा है सकल जहान।
निश्चय ही वंदनीय है माँ सम है हिंदी।
अंग्रेजी से भी इसका कोई बैर नहीं है,
उसे भी अपनेपन से लुभाती है हिंदी।
हिंदी में रचित है अतुलित गाथा,
जिन में प्रमुख हैं- कमायनी, गोदान, गबन और मैला आँचल।
सरल शब्दों में कहा जाए तो
जीवन की परिभाषा है हिंदी।

सकारात्मक सोच का जादू (अभिप्रेरक आलेख)

— रोजी शर्मा,

318, यूएल रोड, रेलवे ऑफिसर्स कॉलोनी, आसनसोल

(लेखिका सुप्रसिद्ध अभिप्रेरक (मोटीवेटर) और ब्लॉगर हैं। विभिन्न सम-सामयिक विषयों और समस्याओं पर केंद्रित इलेक्ट्रॉनिक मंचों पर आपके द्वारा सुरुचिपूर्ण ढंग से प्रस्तुत तथ्यपरक विश्लेषणों की सर्वत्र सराहना होती है।)

जीवनधारा सुख-दुःख के दो किनारों से होकर प्रवाहित होती है। इसी क्रम में हमारे जीवन में उथल-पथल वाली कई घटनाएं सामने आती हैं और हमारे मन-मानस को विचलित कर जाती हैं। उस समय हमारे शुभचिंतक या बड़े बुजुर्ग हमें समझाते हैं, ढाढ़स देते हैं कि 'हिम्मत रखो, 'बी पॉजिटिव' सब ठीक होगा'। किंतु उस समय, विषम विडंबना से जुझते हमारे मन पर नकारात्मक सोच हावी रहती है। इन पर हमारा नियंत्रण नहीं रहता। यह नकारात्मक सोच हमारी विफलताओं की पीड़ा को 'हाईलाइट' कर देती है और हम असहज हो जाते हैं। जिसका दुष्प्रभाव हमारे जीवन की सामान्य गतिविधियों पर पड़ता है। फलतः क्रोध, निराशा, डर, ईर्ष्या जैसी नकारात्मक भावनाएं हमें अपने शिकंजे में जकड़ लेती हैं। इसी क्रम में हम दूसरों की सफलताओं से खुद की तुलना करने लगते हैं और हीन भावना से ग्रस्त हो जाते हैं। हमारी सफलता का मार्ग इन्हीं नकारात्मक सोचों के कारण अवरुद्ध हो जाता है।

तो आइए कुछ 'टिप्स' पर विचार करते हैं, जो हमारे नैराश्य के अंधकार में रोशनी भर दे, हमारे टूटे मन-मानस को संभाल और संवार दें :-

क) दूसरों की सफलता से जले नहीं, सकारात्मक सोच का लाभ

उठावें - अपने आस-पास के सफल लोगों से मिलिए, उनसे संवाद कायम कीजिए। याद रखें कि 'कोप भवन' के अंधेरे में जाकर 'एकांत-विलाप' करने से समस्या का हल नहीं निकलने वाला। इसके लिए उजाले में आकर, सफल सहज लोगों से भेंट-मुलाकात आप में सकारात्मक ऊर्जा का संचार कर देगी। सामने वाले की पॉजिटिव चीजों या गुणों पर ध्यान केंद्रित कीजिए और उसके नेगेटिव गुणों या क्रियाकलापों को नजरअंदाज कर दीजिए।

ख) वर्तमान परिस्थितियों पर ध्यान दीजिए भविष्य को लेकर विचलित ना हों - जी हां, अपने वर्तमान को भरपूर जी लीजिए। कहा भी गया है कि 'बढ़ापा अतीत पर, यवा भविष्य की सोच में गलते रहते हैं, जबकि बचपन सिर्फ और सिर्फ वर्तमान में जीता है और सदा खशमिजाज रहता है। इसलिए अपना हंड्रेड परसेंट अपने काम पर फोकस करें और बच्चों की इस जीवन-शैली अपनाते हुए वर्तमान को भरपूर जीने की कोशिश कीजिए।

ग) आपके पास जो कुछ है उसी में खुश रहें - संतोष करें कि आप अनेक लोगों से ज्यादा स्वस्थ हैं, सफल हैं, समृद्ध हैं और अपने परिजनों के साथ हैं। अपने से कमजोर तबके के लोगों के जीवन से

खुद के जीवन की तुलना करें। भरोसा है कि आप स्वयं ही ईश्वर को धन्यवाद देंगे कि उन्होंने आपको इतना लायक बनाया है। अतः आपके पास जो है, जितना है, उसे पूरा इंजॉय कीजिए।

घ) सकारात्मक सोच के स्रोत को पहचानिए और उसे विकसित कीजिए - आप जो भी देखेंगे, जिन से बातचीत करेंगे, जिन चीजों को पढ़ेंगे, जिनका अनुभव करेंगे- वह सारा कुछ भावनात्मक रूप में आपके मन-मानस में जमा होता रहेगा अर्थात् यदि आप नकारात्मक सोच वाले और जिंदगी से हारे हुए लोगों के बीच, खुद को रख कर जीते हैं तो, आप खुद भी उसी निराशा और नकारात्मक बोध वाले माहौल में ढल जाते हैं। नकारात्मक सोच वाले ऐसे स्रोतों से खुद को दूर रखें। यहां तक कि सोशल मीडिया या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में फैलायी गयी खबरों, फिल्म, वीडियो, संदेशों आदि की नकारात्मकता यदि आपके मन-मानस पर हावी हो जाएगी तो ईर्ष्या, क्रोध जैसी दूर्भावनाओं के जाल में आप फंस जाएंगे। इसलिए जरूरी है कि ऐसे स्रोतों से खुद को दूर रखें और यह तय करें कि आपको क्या-क्या देखना है, सुनना है और समझना है। सुबह उठते ही सोशल मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर टूट पड़ना सही नहीं है। नित्य कर्म के रूप में निर्धारित क्रियाओं का अनुपालन करें। व्यायाम, योग-ध्यान, ईष्- वंदन और परिजनों के साथ सहज संवाद से दिन की शुरुआत कीजिए नकारात्मक सोच वाले लोगों से बहस नहीं करें। उनको बातों को अनसुना कर दें और स्वयं को सशक्त बनाएं।

च) नकारात्मक सोच के विरुद्ध खुद सशक्त बनावें- हिंदी के सुप्रसिद्ध कवि रहीम के इस दोहे को अपने जीवन-शैली का हिस्सा बनावे कि - जो रहीम उत्तम प्रकृति, का करि सकत कुसंग।

चंदन विष व्यापत नहीं, लिपटै रहत भुजंग।

अर्थात् आपका स्वभाव यदि अच्छा है तो कुसंगति आप का कुछ नहीं बिगाड़ सकती। जैसे कि सपों के लिपटा रहने के बावजूद चंदन अपनी सगंध और शीतलता को नहीं त्याग देता। इसमें यह भी जोड़ देना जरूरी समझती हूं कि आप खुद को नकारात्मक सोच वालों से दूरी बनाकर रखें और सकारात्मक सोच विकसित करने वाली गतिविधियों में स्वयं को व्यस्त रखें। अच्छी किताबें, नाटक, फिल्में, सीरियल आदि कार्यक्रमों का आनंद लीजिए और हो सके तो कुछ में स्वयं को सहभागी बनाइए।

छ) अच्छा सोचना ही पॉजिटिविटी नहीं है अच्छे के लिए अपना पूरा योगदान और प्रयास करना भी जरूरी है : जैसे आईएएस बनने के लिए सिर्फ सोचना पर्याप्त नहीं है। उसके लिए, उसके पूरे स्वरूप को समझ कर उसकी खातिर पूरी तरह से जुट जाना जरूरी है। सफलता और असफलताओं के परे जाकर अपनी तैयारी जारी रखें। सफल हुए ठीक होगा और नहीं हुए, तो भी अच्छा ही है। क्योंकि आईएएस की परीक्षा में असफल होने के बाद प्रसून जोशी ने दूसरी राह पकड़ी और आज वे सफल और लोकप्रिय गीतकार के रूप में जीवन का भरपूर आनंद उठा रहे हैं। फुटबॉल के मैच में, सभी साथियों का 'पास' सही नहीं होता, कभी गोलकीपर की तत्परता गोल नहीं होने देती, खुद आपका शॉट गोलपोस्ट से टकराकर बाहर चला जाता है, किंतु हमेशा ध्यान रखें कि वही एकमात्र मैच नहीं है। खेल वही खत्म नहीं होता अर्थात् किसी

असफलता से जीवन खत्म नहीं हो जाता। आप फिर आगे हीरो बनकर उभरेंगे। मैदान में डट कर अपना हंड्रेड परसेंट देना ही आपके वश में है और यही योगदान आप दीजिए। यहीं से सकारात्मक सोच विकसित होती है।

ज) अपना नजरिया बदलिए, नजारे खुद बदल जाएंगे- आप क्या देखना चाहते हैं, किसी चीज का पॉजिटिव साइड या उसका नेगेटिव साइड ? अर्थात् सारा कुछ आपके दृष्टिकोण पर आधारित है। 'गिलास आधा भरा हुआ है' या 'गिलास आधा खाली है' ये दो नजारे - एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। व्यक्ति के नजरिए के कारण दो नजारे देखने को मिलते हैं। सूरज के ढलने से अंधेरे के आगमन का डर किसी को आतंकित कर जाता है तो कोई इसी अंधकार में सकून भरी नींद का अवसर भी ढूंढ लेता है। यह आपके ऊपर है कि आप अंधेरे में दिन भर की अपनी थकान को मिटा कर नई ऊर्जा का संचार करना चाहते हैं या फिर अंधेरे में ही सिर धुनना चाहते हैं - यह आपकी अपनी चॉइस है।

तो देखा आपने ! जीवन की सफलता में हमारी सकारात्मक सोच (पॉजिटिव थिंकिंग/एटीच्यूट) का कितना बड़ा योगदान है ! इसे विकसित करना पूरी तरह से हमारे अपने हाथ में है। यह भी एक खास प्रकार की ध्यातन-साधना है। इसके जादुई असर को आप तभी परख पाएंगे, जब आप अपनी जीवन-शैली में इन उपायों को अमल में लाएंगे। तो आइए, हम 'श्री इडियट्स' के रैंचों की उस सकारात्मक सोच को अपने अंदर विकसित करें जो बात-बात में 'ऑल इज़ वेल...' कहता रहता है और उसे अमल में भी लाकर मस्त-मौला होकर अपनी जिन्दगी को भरपूर जी लेता है

*** **

जिन्दगी का कैनवास (कविता)

उसे मैं जानता हूँ
उसकी गहराई पहचानता हूँ
उसकी जिजीविषा का कायल हूँ
वह अपने लक्ष्य का अर्जून है
प्रतिभा सम्पन्न साधक एकलव्य सा
सिद्धहस्त-नायाब है
एक कलाकार-चित्रकार है
उसके हाथों में जादू है
कला साधक, अन्वेषक है

उसने कैनवास पर उकेरा पहाड़
प्रकृति की समस्त हरियाली से आच्छादित
जीवन्त पहाड़
पहाड़ से अनगिन झरनों के
कल्ले फूट पड़े
मीठे जल के पीयूष प्रवाहित झरने

- आशोक आशीष
लिपिक/कार्मिक
पूरे./आसनसोल

हवाओं की तान पर
झरनों ने गीत गाया
इतरा उठी फिजा
जड़-चेतन के प्यास की खातिर
झील में उतर
झील में तब्दील हो गये झरने

जादूगर चित्रकार ने
कैनवास पर उकेरा-उपवन
रंग-बिरंगे फूलों के
लहलहा उठे पौधे
दौड़ी चली आई तितलियाँ
भ्रमरों ने छेड़ा गान
मस्कराने लगे फूल
फिजाओं में तैर उठा सुवास

कलाकार ने
कैनवास पर उकेरा-नदी
धरती को सींचने
जलप्रवाह बह चली
जलीय जीवों का
खिल उठा रचना संसार

उसने कैनवास पर
मस्स्थल और अरण्य भी उकेरा
धरती और आकाश के
बदलते रंगों को
शिद्ध से उकेरा
उसके चित्रों का जादू
सिर चढ़कर बोलता रहा
पेड़,पहाड़,नदी,अरण्य,मरु के बाद
शहरों के कोलाहल को
कैनवास पर उतारा
बदहवास प्रतीत होता रहा शहर
हाँफते बेचैन दिखे लोग
मूर्झाये सजर के साथ
अस्ताचल दिखा सामाजिक सरोकार

कलाकार ने फिर
कैनवास पर
पैसों का पेड़ उगाया
जादुई आकर्षण नदारद दिखा
पेड़,पहाड़,झरने,अरण्य सब उदास दिखे
पेड़ों से झिहरने लगी थी पत्तियाँ
कृत्रिम दुनिया के रंगों के कोलाज में
बदरंग दिखने लगा था
जिन्दगी का कैनवास.

मैं से हम की ओर...

— चंचला कुमारी

क. अभियन्ता/कर्षण चल स्टॉक, पू०रे०, आसनसोल
आज काल लोग मैं-मैं की जाप करते रहते हैं। उनकी यह सोच होती है कि कार्य सफल होने के पीछे मैं ही हूँ। अप ही बताईये - आप कोई कार्य अकेले कर पायेंगे? जरा सोचिये.... जवाब मिलेगा नहीं। हर कार्य में कई लोगो का योगदान होता है या तो “ प्रत्यक्ष रूप मे या अप्रत्यक्ष रूप से ”

आप एक कर्मजारी का ही उदहारण ले लीजिये एक कर्मचारी अपने संस्था में कोई काम अकेला नहीं कर सकता। यह एक “टीमवर्क” होता है। एक सकारात्मक सोच के साथ, एक सुगठित टीम के द्वारा कठिन से कठिन कार्य भी किया जाये तो सफलता अवश्य मिलती है। एक मजबूत सोच की ही सफलता कदम चूमती है।

वो कहते हैं न - “अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता”

“बूँद-बूँद से सागर बनता है”

“एक और एक मिलकर ग्यारह होते हैं”

“एक से भले दो, दो से भले अनेक”

तो लोगो को मिलजुल कर काम करना चाहिए। एक व्यक्ति काम करने से थक सकता है या कार्य पूरा नहीं कर सकता है। किन्तु यदि मिलजुल कर किया जाये तो काम जल्दी हो जाता है और कठिन - कठिन कार्य भी सहजता से हो जाता है। आप कितने भी शक्तिशाली क्यों ना हो आप के द्वारा अकेले परिवर्तन लाना बिल्कूल संभव नहीं है। अगर किसी व्यवस्था या कार्य-प्रणाली में बदलाव लाना है तो सबको साथ आना होगा।

यहाँ पर मुझे “साहिर लुधियानवी” का लिखा हुआ गीत बरबस ही याद आ रही है-

“साथी हाथ बँटाना, साथी हाथ बढ़ाना

एक अकेला थक जायेगा, मिल कर बोझ उठाना

साथी हाथ बढ़ाना....”

सफलता मिलने पर अपनी टीम का मनोबल ऊँचा करना चाहिए, उन्हें प्रोत्साहित करना चाहिए, उनके ऊपर अभिमान करना चाहिए, न कि “स्वयं पर अहंकार”।

उपरोक्त कथन में एक शब्द “ अहंकार” का वर्णन हुआ है। पहले समझिये अहंकार कहते किसे है? “अहंकार”... “अपने आपको औरो से बहुत अधिक योग्य, समर्थ या बढ़कर समझने का भाव ”। जो मनुष्य अहंकारी होता है, वह अपने आपको अत्यंत महत्वपूर्ण समझता है। ऐसा प्राणी यदि थोड़ी सी भी सफलता प्राप्त कर ले तो स्वयं को सर्वश्रेष्ठ समझने लगता है। वह सदा यही इच्छा करता है कि लोग उनकी प्रशंसा करें, उन्हें अधिक सम्मान दें। वह दूसरों पर अपना आधिपत्य जमाना चाहता है, उन्हें अपनी इच्छानुसार चलाना चाहता है। वह अपनी आलोचना सुनना पसंद नहीं करता। यदि कोई दूसरा व्यक्ति उसका विरोध करता है। तो वह उससे प्रतिशोध लेने पर उत्तर जाता है। संस्कृत में एक श्लोक है ... “अहं करोमि इति अहंकारः”

इसका अर्थ है - मैं केवल मैं ही सब काम करता हूँ ऐसा विचार अंत में अहंकार को जन्म देता है। अहंकार सर्वनाश का सूचक है। किसी विषय

वस्तु के विशेष ज्ञान के अभाव में अहंकार सर उठा ही लेता है। किसी भी विषय का जब हमें पूरा ज्ञान हो जाये तब अहंकार नहीं होता। इतिहास इस बात का गवाह है - रामायण का प्रतापी रावण मूर्खतावश अपने अहम् का त्याग नहीं कर पाया। महाभारत का दुर्योधन भी अहंकार का ही शिकार हुआ था। इन सब का परिणाम क्या हुआ? इससे तो आप लोग भली-भांति परिचित है ही।

अतः मनुष्य में जो भी विशेषताएं हों, उसके आधार पर उन्हें स्वयं को सर्वश्रेष्ठ सिद्ध करने के बजाय उसका सदुपयोग स्वयं अपने विकास में तथा देश के कल्याण के लिए करना चाहिए।

अंत में मैं यही कहना चाहती हूँ कि कृपया “ अहं ” को त्याग दे और “ मैं से हम की ओर चलें ”। तभी देश उन्नति करेगा।

पुरुष

— श्रीमती छाया भट्टचार्य

व. अनुभाग अधिकारी,

लेखा विभाग, आसनसोल

कैसे पुरुष हो तुम?

जीवन के हर मोड़ पर

बदलते नजर आते हो तुम

कभी पुत्र, कभी पति कभी पिता,

हर भूमिका को बखूबी निभाते हो तुम।

कभी पुत्र के रूप में -श्रवण कुमार की तरह

माता-पिता को ताउम्र ढोते हैं तुम,

कभी पति के रूप में राम सदृश

पत्नी सीता की पवित्रता की अग्नि परीक्षा लेते हो तुम?

पिता के रूप में परिवार के प्रति

अपने कर्तव्य कर्म का पालन करते हो तुम,

जीवन की यवनिका के गिरने में पूर्व,

रंगमंच पर अपनी भूमिका का

सफल अभिनय करते हो तुम,

कैसे पुरुष हो तुम?

मौसम की तरह कभी- कभार बदलते हो तुम

आँसूओं को घूँट-घूँट कर पीते

कभी आँखों में नमी न लाते हो तुम।।

तिल - तिल कर तिनकों को समेट

आशियाना बना कर सुख लुटाते हो तुम

जब तक कोई समझे इस बात को

धरती पर जन्मत लेआते हो तुम,

कैसे पुरुष हो तुम?

कभी महापुरुष कभी युगपुरुष बनकर

समाज में बदलाव लाते हो तुम

युग -युग में युगावतार बन कर

अच्छाई की परिभाषा बनाते हो तुम

कैसे पुरुष हो तुम?

गोतम बुद्ध बनकर अहिंसा की शिक्षा देते

कभी गरल पीकर धरती की

रक्षार्थ हेतु नीलकण्ठ कहलाते हो तुम।।

या सूली पर चढ़कर धरती के

पापों का बोझ उठाकर मसीहा कहलाते हो तुम

कैसे पुरुष हो तुम?



सुनसान गाँव

(मर्म भेदी आलेख)

- विनय कुमार

लोको पायलट (डीजल) अंडाल

शायद आपने कभी गौर से नहीं देखा या फिर आपका गाँव, मुहल्ले से इतना वास्ता नहीं पड़ता होगा। आप बस तेजी से अपनी बाइक से काम पर निकल जाते हैं और वापस अपने घर आ जाते हैं, इसलिए शायद आपकी नजर सूने होते गाँव और मोहल्लों पर जा नहीं पाती होगी। या फिर आप खुद अपनी जन्मभूमि छोड़ किसी बड़े शहर में आकर बस गये हैं, तो आपको आभास ही नहीं कि कब आपके गाँव के घर सूने हो गये। उनमें सिर्फ बूढ़े माँ-बाप पड़े हैं और फिर कब धीरे-धीरे ऐसे घरों से गाँव सूने होते चले गये। खैर कल सुबह उठकर एक बार इस का जायजा लीजियेगा कि कितने घरों में अगली पीढ़ी के बच्चे रह रहे हैं और कितने गाँव छोड़कर दिल्ली नोएडा गुरुग्राम, मुंबई पुना या जयपुर जैसे बड़े शहरों में जाकर बस गये हैं या किराये के फ्लैट में रह रहे हैं। कल एक बार गाँव की उन गलियों से पैदल निकलियेगा जहाँ से आप बचपन में स्कूल जाते समय या दोस्तों के संग खेलने के लिए झुंड में निकलते थे, तिरछी नजर से झाँकिए हर घर की ओर आपको एक चुपचाप सी सुनसान सिसकी सुनने को मिलेगी, न कोई आवाज, न बच्चों का शोर, बस किसी घर के बाहर या खिड़की से आते-जाते लोगो को ताकते बूढ़े-बुजुर्ग जरूर मिल जाएंगे।

आइये, जानते हैं कि आखिर इन सूने होते घरों और खाली होते गाँवों के कारण क्या है? भौतिकवादी युग में पहला कारण रोजगार के लिए गाँवों से छोटे शहरों की ओर पलायन। अब यहाँ यह भी देखा गया है कि जिनके पास गाँव में ही खेती बाड़ी के लिए अच्छी-खासी जमीन है, परन्तु उसका पढ़ा-लिखा नौजवान बेटा खेती-बाड़ी करना नहीं चाहता है, वह शहर जाकर कुछ और करना चाहता है। उसे खेती करने या हल चलाने में लज्जा आती है। फलतः गाँवों में कृषि कार्य के लिए मजदूर नहीं मिल रहे हैं। दूसरा कारण यह है कि अभी हर व्यक्ति चाहता है कि उसके बच्चे बेहतर से बेहतर पढ़ें और अच्छी नौकरी करें। उसको लगता है या फिर दूसरे लोग उसको ऐसा लगवाने लगते हैं कि छोटे शहर या गाँव में पढ़ने से उसके बच्चे का कैरियर खराब हो जाएगा या फिर बच्चा बिगड़ जाएगा। बस यही से बच्चों को अपनों से दूर, किसी बड़े शहर के होस्टलो में डाल दिया जाता है। सुनहरे भविष्य के लिए, चाहे उसके अभिभावक की पोस्टिंग गाँव के बगल के स्कूल, अस्पताल या प्रखंड कार्यालय में ही क्यों ना हो। अब भले ही दिल्ली और उस छोटे शहर में उसी क्लास का सिलेबस और किताबें वही उपलब्ध हो, मगर मानसिक दबाव आ जाता है। बड़े शहर में भागने का। हालाँकि इतना बाहर भेजने पर भी मुश्किल से 10% बच्चे ही IIT, PMT या UPSC वगैरह निकाल पाते हैं। फिर माँ-बाप अपने बच्चों का एडमिशन भारी-भरकम फीस देकर इंजीनियरिंग, मेडिकल या बिजनेस मैनेजमेंट में कराते हैं। 3-4 साल बाहर पढ़ते पढ़ते बच्चे बड़े शहरों के

माहौल में रच बस जाते हैं और फिर वहीं नौकरी ढूँढ लेते हैं। अब त्यौहारों पर घर आते हैं माँ-बाप के पास। माँ बाप भी गाँव वालों को अपने बच्चों के बारे में गर्व से

बताते हैं, उसके पद व पैकेज के बारे में बताते हैं। एक साल दो साल चार साल कुछ साल ... माँ बाप बूढ़े हो रहे हैं और बच्चों ने लोन लेकर बड़े शहरों में फ्लैट ले लिया है। अब अपना फ्लैट है तो त्यौहारों पर भी घर जाना बंद। सिर्फ कोई जरूरी काम या शादी-ब्याह में ही गाँव आते-जाते हैं। शादी ब्याह में कोई मुहल्ले वाला पूछ भी ले कि भाई साहब अब कम आते जाते हो तो छोटे गाँव, शहर, माहौल और बच्चों की पढ़ाई का उलाहना देकर बोल देते हैं कि अब यहाँ रखा ही क्या है?

खैर माँ-बाप बूढ़े और लाचार हो रहे हैं और बच्चे अपने परिवार के साथ बड़े शहर के फ्लैट में रहने लगे हैं अब फ्लैट में तो इतनी जगह होती नहीं कि खाँसते बूढ़ बीमार माँ-बाप को साथ में रखा जाए। बेचारे पड़े रहते हैं अपने बनाये या पैतृक मकानों में।

हर दूसरा घर, हर तीसरा परिवार... सभी के बच्चे बाहर निकल गए हैं। वहीं बड़े शहर में मकान ले लिए हैं, बच्चे पढ़ रहे हैं... अब वो वापस नहीं आएंगे। गाँव या छोटे शहर में रखा ही क्या है - इंगलिश मीडियम स्कूल नहीं है IIT/PMT की कोचिंग, नहीं है मॉल नहीं है, माहौल नहीं है पार्क नहीं है कुछ नहीं है सब, आखिर इसके बिना जीवन कैसे चलेगा। पर कभी UPSC, SSC का रिजल्ट उठाकर देखियेगा सबसे ज्यादा लोग ऐसे छोटे गाँवों व कस्बों से ही मिलेंगे। बस मन का वहम है।

मेरे जैसे लोगो के मन के किसी कोने में होता है कि भले ही कहीं फ्लैट खरीद ले मगर रहेगे अपने उसी गाँव में अपने लोगो के बीच में। अब ये मॉल ये बड़े स्कूल, बड़े टावर वाले मकान सिर्फ इनसे तो जिन्दगी नहीं चलती। एक वक्त ऐसा आता है जब आपको अपनों की जरूरत होती है। ये अपने लोग आपको सिर्फ गाँव या छोटे शहरों में मिल सकते हैं, फ्लैटों के रेसीडेंट वेलफेयर एसोसिएशन में नहीं। मैंने कोलकता में पहली बार देखा कि वहाँ शवयात्रा चार कंधों पर नहीं बल्कि एक खुली गाड़ी में पीछे शीशे की केबिन में जाती है, सीधे श्मशान एक दो रिश्तेदार बस और सब खत्म।

भाई साब, ये खाली होते घर, सूने होते गाँव इन्हें सिर्फ जायदाद की नजर से मत देखिए बल्कि जीवन से गायब होती जीवंतता की नजर से देखिए। आप पड़ोसी विहीन हो रहे हैं आप वीरान हो रहे हैं समझाइये बसाइये लोगो को जन्मभूमि के प्रति मोह जगाइये, प्रेम जगाइए समझिए और अपनेपन में ही जीवन की गतिशीलता है उसकी जीवंतता है उसका स्पन्दन है।



प्यार का कानून (मार्मिक कहानी)

— तापस भट्टाचार्या, वरि.अनु.अधिकारी
लेखा विभाग, पू.रे. आसनसोल

“लग लग लग भेल्ली लग, आओ बच्चों जल्दी आओ।” बहुत देर तक डमरू बजाते हुये अकबर चाचा राह देख रहा था। साथ में दो बेजुबान इंतजार में बैठे हैं, कब हुकुम होगा खेल दिखाने का। पर नहीं। रास्ते के दो-चार कुत्ते और एक पागल छोड़कर कोई नहीं पहुंचा। अकबर मन में ही सोच रहा था। आजकल बच्चे लोग मोबाइल में सारे जहां को खबर और मनोरंजन के भरपूर खजाने में विलुप्त रहे हैं। लेकिन एकदिन था जब डमरू की आवाज सुनते ही बच्चे, बच्चे की मां, दादी, नानी सब इकट्ठा हो जाते थे खेल देखने के लिए। यही सब सोचते सोचते अकबर अपना झोला उठाकर फिर नयी जगह के लिए चल पड़ा। पीछे-पीछे रस्सी पकड़ कर प्यारी और अनाड़ी भी चल पड़ें। साठ साल के अकबर की दुनिया में इन दो बेजुबानो छोड़कर कोई नहीं है।

अपने मुहल्ले में एक बाबू है, जो अकबर को थोड़ा-सा इज्जत करते हैं। कम से कम बंदरवाला नहीं बोलते। चाचा कहकर पुकारते हैं।

एक दिन शाम को बाबू बोले, चाचा कमाई कैसी हो रही है। अकबर सोच रहा था क्या जवाब देना है। बाबू बोलना शुरू किये। चाचा मालूम है, सरकार कानून लाया है, जंगल के जानवरों से खेल दिखाना गैरकानूनी है। कभी भी पुलिस पकड़ सकती है। कानून की नजर में यह एक अपराध है। अकबर सोचने लगा पुलिस पकड़कर ले जायेगी तो ठीक है। कम से कम दो वक्त की रोटी तो मिलगी, लेकिन इन दो बेजुबानों का क्या होगा, यह लोग न तो खाना बनाना जानते हैं और न शिकार करना सीखे हैं। यह तो वैसे ही मर जायेंगे। यह सब सोचते-सोचते उसने कुछ बासी रोटी निकाली अपनी झोली से। बासी रोटी जानवर लोगों को खूब पसंद है। अकबर ने भी उन लोग की पसंद को अपनी पसंद बना लिया। लाल चाय और बासी रोटी से नाश्ता करते हुये प्यारी और अनाड़ी से बोलना शुरू किया।

“सुना तुमलोग, अब अल्लाह से क्या जवाब दूंगा मैं ? तुम लोग के लिए सारा जीवन दौड़ता रहा, अभी वक्त हो गया जेल जाने का।” दोनों बेजुबान एक दूसरे का चेहरा देखते हुए सरकार के अकबर के करीब आ गए। अकबर उन पर अपना हाथ फेरते हुए बोला ‘बच्चे, तुम्हें क्या पता कानून क्या होती है? तुम तो मेरे सहारे बिना कुछ नहीं कर पाओगे।’

शाम हो चुकी थी। नमाज में बैठ गया अकबर। दिन भर की थकान और तरह-तरह की सोच, उसका अपना मन उसे स्थिर नहीं होने देता। नमाज खत्म कर दोनों बेजुबानों को बहुत प्यार किया। रात गहरा हो रही थी। तीनों झोपड़ी में सो गये।

आज जुम्मा का दिन है। अकबर ने फिर अपने झोले से कुछ बासी रोटी निकाली। देखते ही प्यारी और अनाड़ी चीखना शुरू कर दिया। प्यार से अकबर ने उन लोगों को सहलाते हुए बासी रोटी खिलायी, पानी पिलाया।

अब डंडा लेकर जानवर लोगों को पकड़कर चल पड़ा। आज

अकबर का मन बहुत खराब है। अंदर से एक दर्द ने उसे घेर लिया था।

अपना मुहल्ला छोड़ कर बाजार पार कर हाइवे रोड की ओर चलना शुरू किया। हाइवे के पीछे एक छोटा सा जंगल है। उसके अंदर जा कर फिर से एकबार प्यारी और अनाड़ी को गले लगा कर बहुत प्यार किया। दोनों जानवरों के बदन से कपड़े उतार लिए। अब जब चेन पर हाथ लगाया तो प्यारी चेन को खींचने लगी। उसे अब पता लग गया होगा जुदाई के दर्द के बारे में।

थोड़ा धमका कर गले से चेन खोलकर अकबर ने उन्हें छोड़ दिया और तेजी से कदम बढ़ा जंगल से निकलने का प्रयास किया। कुछ ही समय में हाइवे रोड आ गया।

अकबर रास्ता पार कर आ गया। एक बार पीछे मुड़ा तो उसका जी घबरा गया।

अनाड़ी और प्यारी पागलों की तरह दौड़ते हुए रास्ते को पार करने की कोशिश कर रहे थे।

अनाड़ी तो एक ट्रक के नीचे आत-आते बच गया, प्यारी इधर-उधर दौड़ती हुई दिख रही थी।

अकबर दौड़ कर फिर रास्ते के उस पार गया। दोनों जानवरों ने दौड़ कर बिलखते अकबर को जकड़ लिया। अपना प्यार जताने की पूरा कोशिश करने लगे।

दोनों आँख से आँसू पोंछते हुए अकबर बोला - चल बेटा कानून प्यार को नहीं बाँट सका। जो भी हो, तुमलोग मेरे साथ ही रहोगे।

अंधेरा हो गया था। जंगल में अकबर पागल की तरह खोजता रहा था कहाँ गये उन लोगों को कपड़े, ठंड लग जायेगी बच्चों को।

हिन्दी बनाम अंग्रेजी

— पार्थ सारथि कुण्डु

वरि. लेखा विभाग अनुभाग अधिकारी
पु.रे. आसनसोल

मुझसे नहीं होगा ये कविता लिखना,
अभी तो बहुत कुछ बाकी है सीखना,
लिखना, नहीं है इतना आसान,
मन मे चलता रहता है घमासान,
शब्द नहीं मिलते हैं, भाव व्यक्त करने को
कोई तैयारी नहीं होती है- हिन्दी में लिखने को
सब भाग रहे हैं अंग्रेजी के पीछे।
मेरा मन फिर भी न जाने क्यों हिन्दी को सींचे
भुलने लगे हैं सब संज्ञा, सर्वनाम और क्रिया,
कौन जलाएगा अब हिन्दी का दिया।।
कैसे लिखु हिन्दी मे कविता -अंग्रेजी के भेष में?
तरस रही है हिन्दी आज अपने ही देश में
माफ करना मुझे जिह्वा मेरी फिसल गयी।
लेकिन एक सच को ही मैं कर रहा हूँ बयॉ।

मुक्तिद्वार (कविता)

-संजय राउत,

अनुवादक, राजभाषा विभाग/पूरे/आसनसोल

प्रयास

किसे ढूँढने आए हैं ?
किसकी है तलाश ? क्या कहा ?
नहीं दिख रहा है यहा !
आखिर चला गया है कहाँ ?
बंधु, सभी आएंगे यहाँ
भला और जाएंगे कहाँ ?
महाप्रयाण का-
इहलोक से उहलोक का !!
पंथ अलग है, और
पथिक भी अलग-अलग,
पर गंतव्य तो यही है।
क्यों कि यह महास्थान है-
यह श्मशान है !!

दो गजल - अवधेश कुमार

सेवानिवृत्त शिक्षक पूर्व रेलवे
उ०मा० वि०/आसनसोल

(1)

उनका कहकर फिर न आना कुछ तो मायने रखता है।
आए दिन नित नया बहाना बनाना, कुछ तो मायने रखता है।।
इस भीषण महंगाई में भी शाही शादी का आयोजन।
चीफ गेस्ट में सी०एम० का आना, कुछ तो मायने रखता है।।
घर में भूजी भाँग नहीं है बातें लम्बी - चौड़ी उनकी।
खुली आँख में ख्वाब का आना, कुछ तो मायने रखता है
इस की टोपी उसके सिर रख सबका शुभ चिंतक कहलाना।।
इधर लगाना उधर बुझाना, कुछ तो मायने रखता है।।
बिना मुकदमा केस कचहरी लिए बगल में मोटी फाइल
पेशकार को चाय पिलाना, कुछ तो मायने रखता है।।
भाषण में गाँधी का दर्शन लोकतंत्र का प्रहरी बनकर
बहुमत की सरकार गिराना, कुछ तो मायने रखता है।।
जब अवधेश सभी नंगे हैं अपने अपने हरम में फिर क्यों,
मेरा फोन टेप करवाना, कुछ तो मायने रखता है।।

(2)

बदला है इस कदर कुछ इंसान आजकल,
मुश्किल है सच्चे दोस्त की पहचान आजकल।।
नीलाम हो रहा है सरे आम यहाँ पर,
आइए खरीद लीजिए ईमान आजकल।।
हम जिसको समझते थे मेरा आशियाना है,
वह जेल से बदतर हुआ मकान आजकल।।
आदत है जिनकी खोजना दामन का दाग ही,
झाँका न कभी खुद का गिरेबान आजकल।।
बख्शी थी मैंने जिंदगी जिनकी किसी समय,
मुट्ठी में उनकी कैद मेरी जान आजकल।।
सच बोलने की आज सजा मुझको है मिली,
'अवधेश' इस लिए हूँ बेजुबान आजकल।।

एक प्रयास करें सेवा करें
बढ़ाएं मदद को हाथ
कोई नहीं भूखा सोए
करें यही प्रयास
कोविड-19 की इस विपदा में,
सब मिलकर हाथ बढ़ायें।
कोई दान करे, कोई सेवा करे,
करें यही प्रयास।।
इसी प्रयास के ही सहारे, है पार जाना
हो भले तूफान ओ साथी।
सोचो मत,
है लड़ जाना
कष्टों के इन भँवरो में,
नहीं फंसे ही रहना।
कष्ट सहकर भी स्वयं
कदम आगे ही बढ़ाना।।
है विश्वास अपने प्रयास पर,
तो कुछ नहीं है ये कठिनाईयाँ
एक लौ को जलाकर,
ज्वाला है बनाना।।
हम कर रहे हैं प्रयास एक
मगर हम अनेक हैं।
दूरियाँ भले आज हमारे बीच हैं,
परन्तु दिल सबके एक है।।
एक प्रयास से सहारे ही
वो भी हैं जी रहें
और हम भी हैं जी रहें
हमारा प्रयास न हो विफल
बस यही हमारा प्रयास है
आओं मिलकर करें जतन
बढ़ाये मदद को हाथ
कोई नहीं भूखा सोए
करें यही प्रयास।।

मेरी ये कविता समर्पित है उस प्रयास नामक कार्यक्रम के लिए जिसके तहत भारत स्काउट्स एंड गाइड्स। आसनसोल इस कोविड19 आपदा के समय में 500 गरीब एवं जरूरत मंद लोगों को भोजन उपलब्ध करा रहा है (23 मार्च 2020 से) ये कविता उन लोगों को भी समर्पित है जिनमे आसनसोल मण्डल के सभी पदाधिकारियों एवं नगर वासीय शामिल है, जिनके सहयोग से ये प्रयास कार्यक्रम सफल रहा है और आगे भी सफल रहेगा

- श्री एन.के वर्मा जिला आयुक्त

भारत स्काउट्स एंड गाइड्स,
एवं वरि. मं.इंजीनियर-2 पूरे/आसनसोल

नई तकनीकों को आत्मसात करती हिंदी

- डॉ. मधुसूदन दत्त,
राजभाषा अधिकारी/पूरे, आसनसोल

हिंदी दशकों से हमारी संपर्क भाषा बनी हुई है और हमारे संविधान में इसे राजभाषा का दर्जा दिया गया है। इसमें कोई शक नहीं कि हमारे देश के बाहर भी हिंदी भाषा खूब बोली जाती है। केवल भाषा ही नहीं अपितु सभी लोग, समाज, संस्थान और संगठन देश के विकास की जद्दोजहद में लगे हुए हैं। वैश्वीकरण ने संसार भर की भाषाओं के समक्ष संकट खड़ा कर दिया है। इंटरनेट के जरिए अंग्रेजी चुप-चाप सारी दुनिया में फैल रही है और अन्य भाषाओं को हाशिए पर डाल रही है। कहा जाता है कि आगामी 50 वर्षों में दुनिया में अभी बोली जाने वाली 1300 भाषाओं में केवल 800 भाषा ही जीवित रह पाएंगी। वही भाषाएं अस्तित्व में रह पाएंगी जो कंप्यूटर इंटरनेट एवं सूचना-प्रौद्योगिकी की नवीनतम प्रगति के साथ कदम से कदम मिलाकर बढ़ेंगी, जिनका संपूर्ण शब्द कोश, व्याकरण, साहित्य तथा ज्ञान-विज्ञान की उपलब्धियाँ कंप्यूटर और इंटरनेट की लाइब्रेरी में समाहित होंगे और जो इन साधनों के जरिए प्रयोग हेतु उपलब्ध होंगी।

पिछले दो दशकों में सूचना-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में काफी तरक्की हुई है और यह तरक्की काफी तेज गति से हो रही है। सूचना-प्रौद्योगिकी की इस तरक्की ने जीने का अंदाज ही बदल डाला है। आज तो ऐसा लगता है कि सूचना-प्रौद्योगिकी के बिना जीना जैसे असंभव ही हो। चाहे मोबाइल फोन हो या टेलिविजन, यह अब जीवन का एक अभिन्न अंग बन गया है। एक दूसरे के संपर्क के लिए दूरियाँ अब कोई मायने नहीं रखती। पलक झपकते ही आप किसी से भी बात कर सकते हैं, वो भी वीडियो चैट से, जैसे रूबरू बात कर रहे हों।

जब सूचना-प्रौद्योगिकी ने पूरे समाज के रहन-सहन का अंदाज बदल दिया है, तो भला भाषा कैसे पीछे रह सकती है। इसने भी अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए डिजिटल बनना सीख लिया है।

अब मैं कुछ आयामों की बात करूँगा जिसके बदलाव को हिंदी ने आत्मसात किया है तथा उपभोक्ताओं ने भी इसे पसंद किया है।

सर्वप्रथम बात करते हैं कंप्यूटर की, - प्रारंभ में कंप्यूटर पर केवल अंग्रेजी उपयोग में लायी जाती थी। समय बीतने के साथ-साथ तरह-तरह के सॉफ्टवेयर विकसित किए गए। हिंदी के बढ़ते फील्ड के कारण अंग्रेजी के अतिरिक्त हिंदी के भी सॉफ्टवेयर विकसित किए गए। किसी को हिंदी में टाइप करना है तो वह टाइप के लिए हिंदी लिपि को चुनता है और कंप्यूटर पर फीड प्रणाली के तहत अंग्रेजी में शब्द टाइप करने पर मॉनिटर पर देवनागरी लिपि में वे शब्द दृष्टिगोचर होते हैं। इस प्रकार, आज हम कंप्यूटर पर आसानी से हिंदी में टाइप कर सकते हैं।

एंड्रॉयड स्मार्टफोन: अब एंड्रॉयड स्मार्टफोनों में बोलकर हिंदी में लिखने की सुविधा उपलब्ध है। यह सुविधा गूगल हिंदी वॉयस इनपुट के माध्यम से मिलती है और बिलकूल निःशुल्क है। इस सुविधा द्वारा 95 प्रतिशत शुद्धता के साथ सामान्य हिंदी लेखन का कार्य कर सकते हैं।

माइक्रोसॉफ्ट द्वारा ऑफिस-2000 के बाद ऑफिस-2003 संस्करण को नए और ऊर्जावान रूप में सामने लाया गया था, जो आगे के संस्करणों में और अधिक सुधार को अपने में समाहित किए हुए है। इसमें हिंदी

कंप्यूटिंग के लिए ऐसी अनेक व्यवस्थाएं दी गई हैं जिनका विवरण आगे दिया जा रहा है।

हिंदी इंटरफेस का महत्वपूर्ण आकर्षण है। इसका हिंदी इंटरफेस आपको देता है- हिंदी में काम करने का एक नया अनुभव। मेनू, सबमेनू, संवाद और हेल्प जैसी सारी चीजें अब हिंदी में उपलब्ध हैं। उपयोगकर्ता इंटरफेस और यूजर्स हेल्प अब आप अपनी भाषा में देख सकते हैं। कंप्यूटर पर हिंदी में लिख पाना, अब तक बड़ी समस्या थी। ऑफिस के नए संस्करणों ने यह समस्या दूर कर दी है, इसमें हिंदी लिखने के लिए इंस्क्रिप्ट, रैमिंगटन, ध्वन्यात्मक आदि की-बोर्ड उपलब्ध है। साथ ही इसमें आपके लिए सुपरिचित की-बोर्ड जोड़ने और इसे अनुकूलित करने की भी सुविधा है।

हिंदी में सॉर्टिंग करना, टाइप करते समय होने वाली संभावित वर्तनी की त्रुटियों की जांच करने के लिए वर्तनी परीक्षक, हिंदी थिसारस- जिसमें आप किसी शब्दों का अर्थ, उसके समानार्थी और विपरीतार्थी शब्द भी ढूंढ सकते हैं।

ऑटो फिल्टर, स्वतः सुधार और स्वतः पाठ, वॉटरमार्क, शीर्ष लेख और पाद लेख, इन्फोमेशन राइट्स मैनेजमेंट, स्मार्ट दस्तावेज, दस्तावेज की एक साथ तुलना, हिंदी टेम्पलेट, हिंदी में ग्राफ और चार्ट, हिंदी में ई-मेल, कैलेंडर, हिंदी में पावर प्वाइंट प्रस्तुति, यूनिकोड का समर्थन आदि जैसी महत्वापूर्ण व्यवस्था आज जनमानस के प्रयोग के लिए हिंदी में उपलब्ध है।

कुछ नए टाइपफेस: ऑफिस-2000 और उसके ऊपर के संस्करणों में साधारणतया जहाँ एक फॉन्ट मंगल दिखाई देता है, वहीं ऑफिस 2003 से तीन नए फॉन्टों - कोकिला, अपराजिता और उत्साह के टाइपफेस भी दिए गए हैं। इनका उपयोग कर उपयोगकर्ता अपने मैटर को और अधिक सुंदर ढंग से प्रस्तुत कर सकता है। इतना ही नहीं, यूनिकोड समर्थक ओपन टाइप फॉन्टों की विस्तृत श्रृंखलाओं का भी उपयोग किया जा सकता है।

ऑफिस-2003 में आप सचारू रूप से हिंदी में कार्य करने में सक्षम हो सकते हैं तथा कई तरह की समस्याओं से बच सकते हैं। इसके सहारे आप सीधे एक्सेल आदि में डेटा आदि की एंट्री कर सकते हैं। नए फॉन्टों के आने से टेक्स्ट आदि की सुंदर प्रस्तुति आप सुंदर ढंग से इसके अंदर ही कर पाने में समर्थ हो पाते हैं।

माइक्रोसॉफ्ट की स्वामित्व वाली मोबाइल कंपनी स्विफ्टी ने हिंदी और गुजराती भाषा में ट्रांसलिट्रेशन फीचर शुरू किया है। इसके लिए मोबाइल में स्विफ्ट को डाउनलोड करना होगा। यह कंपनी लम्बे समय से ट्रांसलिट्रेशन फीचर पर काम कर रही थी। अब इसकी मदद से उपयोगकर्ता अंग्रेजी में टाइप करके हिंदी और गुजराती में शब्द लिख सकेंगे।

हाल ही में गूगल ने व्हाट्सअप, हाइक और फेसबुक जैसे मैसेंजर ऐप्सों को टक्कर देने के लिए अपना मैसेजिंग ऐप गूगल ऐलो को लॉन्च किया है। गूगल ऐलो आपके हर एक सवाल का जवाब देता है और अगर ऐलो में गूगल सहायक को जिन चीजों का ज्ञान नहीं है तो वह उसे वेब से ढूंढ कर आपको प्रदर्शित करता है। इस ऐप को गूगल प्ले-स्टोर्स और ऐपल ऐप स्टोर से निःशुल्क डाउनलोड कर सकते हैं। गूगल ऐलो में आप बिना कोई टेक्स्ट लिखे या टाइप किए वायस मैसेज की मदद से चैट कर सकते हैं। गूगल ऐलो को जनसाधारण ने हिंदी के प्रयोग के लिए काफी

सविधाजनक माना है।

हिंदी दिवस-2017 पर माननीय राष्ट्रपति महोदय जी के कर-कमलों से लीला मोबाइल ऐप को लोकार्पित किया गया था, जिससे आप भली-भांति परिचित होंगे। तकनीकी के साथ-साथ हिंदी भाषा का समन्वय बढ़ाने का यह प्रयास भर था। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए राजभाषा विभाग में हिंदी प्रौद्योगिकी संसाधन केन्द्र की स्थापना की गई है। इस केंद्र का उद्देश्य सिंगल विंडो के माध्यम से हिंदी से संबंधित सभी तकनीकी समस्याओं का राष्ट्रीय स्तर पर निराकरण करना है। उच्च स्तरीय सॉफ्टवेयर निर्माण सहित आधुनिक तकनीकी माध्यमों के साथ हिंदी भाषा को जोड़ना इस केन्द्र की पहली प्राथमिकता होगी। हिंदी प्रौद्योगिकी संसाधन केन्द्र के अन्तर्गत स्मृति आधारित अनुवाद टूल(कंठस्थ) का निर्माण सी-डेक के माध्यम से कराया जा रहा है। यह अनुवाद प्रणाली, स्मृति आधारित (टीएमबीएस) होगी अर्थात् यह किए गए अनुवाद सामग्री को संग्रहित करेगी। अनुवाद स्मृति (टीएम) आमतौर पर स्थानीयकरण उद्देश्य के अनुवाद में प्रयोग किया जाता है। अनुवाद स्मृति(टीएम) अनुवाद में मानकीकरण/स्थिरता में मदद करता है और दोहराव वाले पाठों का अनुवाद कम करके समय बचाता है। राजभाषा विभाग द्वारा परियोजना का वेब तथा स्टैण्ड अलोन संस्करण बनाया जा रहा है जो अनुवाद प्रक्रिया में शामिल अधिकारियों और अनुवादकों को उनके संबंधित स्थान पर अनुवाद दस्तावेज प्राप्त करने में मदद करेगा।

इस सॉफ्टवेयर को केन्द्र सरकार के कार्यालयों को निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। सॉफ्टवेयर के सही उपयोग के लिए कार्मिकों के ट्रेनिंग मॉड्यूल भी तैयार कराए गए हैं। इस टूल से अनुवादकों को सुविधा मिलेगी तथा अनुवाद की उत्कृष्ट गुणवत्ता पाठकों को मिल सकेगी। 'कंठस्थ' का लोकार्पण भी विश्व हिंदी सम्मेलन में किया जा चुका है।

केन्द्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान द्वारा हिंदी भाषा का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कार्मिकों के साथ-साथ जनसाधारण को हिंदी भाषा का उच्चतर ज्ञान प्राप्त करने के लिए 'हिंदी प्रवाह' नामक एक नया पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। इस पाठ्यक्रम को भी लीला पैकेज की भांति अंग्रेजी के अलावा 14 भारतीय भाषाओं क्रमशः असमिया, बोडो, बंगला, गुजराती, कन्नड़, कश्मीरी, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, उड़िया, पंजाबी, तमिल, एवं तेलुगू के माध्यम से जनसाधारण तक ऑन-लाइन वेबवर्जन एवं मोबाइल ऐप के रूप में उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया गया है। 'लीला हिंदी प्रवाह' के वेबवर्जन एवं मोबाइल ऐप में पाठों से संबंधित शब्दों को समझने एवं समझाने के लिए वृहत् शब्दावली की व्यवस्था भी की गई है। इस वृहत् शब्दावली में पाठों में सम्मिलित शब्दों के अर्थ यूजर द्वारा चयनित भाषा में वर्णक्रमानुसार दिए गए हैं। इस भाग की विशेषता यह है कि इसमें शब्दों के उच्चारण के साथ-साथ रिकार्ड एवं कम्पेयर सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। यूजर पाठ में आए शब्दों का अर्थ अपनी भाषा में देखने एवं जानने के अलावा हिंदी में उनका उच्चारण सुनने के बाद स्वयं उस शब्द को बोलकर रिकार्ड कर सकते हैं और फिर मूल शब्द एवं रिकार्ड किए हुए शब्द को एक के बाद एक सुनकर उच्चारण संबंधी कमियों को दूर कर सकते हैं।

इस प्रकार बदलते परिवेश और डिजिटलाइजेशन के नए दौर में हिंदी सारी तकनीकी चुनौतियों को अपने में आत्मसात करते हुए आधुनिक दौर के साथ कंधे-से-कंधा मिलाकर चल रही है।

विज्ञापनों में सजते रिश्ते (कविता)

-पुरुषोत्तम कुमार गुप्ता

कनिष्ठ अनुवादक

राजभाषा विभाग

पूर्व रेलवे, आसनसोल

दिखावटी होती ऊँची दुनिया के बीच,
नीच होते रिश्तों का बोलबाला है।
ठहराव इतना गहरा कि -
कोई लहर तक नहीं उठती !
स्वार्थ की लंबी, खूनी कील पर टंगे हुए -
स्पहल्ले पोशाकों की तरह, रिश्ते सजने लगे हैं !
ठीक इसी माहौल में, चमचमाते स्क्रीन पर
रिश्तों की आत्मीयता,
पूरी सफलता के साथ
भनायी जाती है,
किंतु साथ ही,
रिश्तों को उसके पूरे असर के साथ,
सार्वक किया जा रहा है !
रिश्तों के बीच से गायब गर्माहट को
दूर देश में जाकर दफन हुए अपनेपन को
फिर से जीवंत किया जा रहा है।
सर्फ-शैपू, साबन, चॉकलेट-चाय
कार-बाइक, सौमेट-छड़,
मोबाइल-सिम, मिर्च-मसाला-
आदि की मार्केटिंग के बहाने -
छोटे-छोटे कदमों से,
ये विज्ञापन
रिश्तों के बीच की बढ़ती लंबी दूरी को -
अनायास ही पाटने में जुड़े हुए हैं
जख्मी रिश्तों को जोड़ने में लगे हुए हैं !!

सोशल डिस्टेंसिंग (कविता)

महामारी फैलनी थी, फैल गयी।
रिश्तों का कड़वा सच-
बड़े आराम से पिघलने लगा है,
अपनेपन की नकाब निकल आयी है।
नंगे चेहरों के साथ, नंगे होते रिश्तों की तपिश
धीरे-धीरे काफी कुछ सलगा देती है !!
मास्क के पीछे के चेहरें,
अपनी नग्नता ढंक नहीं पाते।
सेनिटाइज़र का प्रचुर प्रयोग,
स्वार्थ के प्रकोप का भंग नहीं कर पाता।
सोशल-डिस्टेंसिंग का अभिशाप तो पहले से ही
झेल रहे थे लोग चपचाप।
दर्द की सर्द सिसकौं,
इतनी तोखी थी कि -आदमी, आदमी से बात न करके-
कुत्ते-बिल्लियों से संवाद करने लगा है।



मधुपुर में आयोजित स्काउट्स एंड गाइड्स की 52वीं स्टेट रैली में महाप्रबंधक श्री सुनीत शर्मा एवं प्रधान कार्यालय के गणमान्य अधिकारियों और रैली के प्रतिभागियों के साथ मंत्री श्री सुमित सरकार



मंत्री श्री सुमित सरकार के साथ 'बापू जीवन संदेश पर आधारित पुस्तिका' का लोकार्पण करते माननीय सांसद श्री बाबुल सुप्रियो



राजभाषा पखवाड़ा-2019 के उद्घाटन सत्र में संबोधित करते मंत्री श्री सुमित सरकार



चैंबर्स ऑफ कॉमर्स/आसनसोल और व्यावसायिक संगठनों के साथ वीडियो संबंधित वर्चुअल मीटिंग करते मंत्री श्री सुमित सरकार, साथ में वमंपरिप्र, श्री एस. चक्रवर्ती व वमंवाप्र, श्री सी. झा



गणतंत्र दिवस के अवसर पर मंडल अस्पताल में सद्यःप्रसूता जच्चे-बच्चे के साथ प्रसन्न मुद्रा में इरवो अध्यक्षा श्रीमती स्मिता सरकार



पांडवेश्वर में 'ट्रेनिंग-कम-ओएचई मॉडेल रूम' का उद्घाटन करते महाप्रबंधक श्री सुनीत शर्मा, साथ में परिलक्षित मंत्री श्री सुमित सरकार। (10.01.2020)



ऑक्सीजन पार्क/आसनसोल में महाप्रबंधक श्री सुनीत शर्मा, साथ में परिलक्षित मंत्री श्री सुमित सरकार। (10.01.2020)



गिरिडीह में टॉयलेट कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन करते माननीय सांसद श्री चंद्र प्रकाश चौधरी, साथ में मंत्री श्री सुमित सरकार। (23.01.2020)



'विश्व पर्यावरण दिवस' के अवसर पर मंडल कार्यालय परिसर में नवनिर्मित 'इको पार्क' का उद्घाटन करते मंत्री श्री सुमित सरकार व शाखा अधिकारीगण (05.06.2020)



हमारे निवर्तमान अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री मनीष लेखा विभाग के विभागीय प्रधान श्री मनीष ने जब मंडल के अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी का पदभार मई 2020 को संभाला तो हम राजभाषा कर्मी थोड़े आशंकित और दुविधा ग्रस्त थे की राजभाषा विषयक गतिविधियां यथावत जारी रह पाएंगी या नहीं ?

किंतु सारी दुविधाएं और दुश्चिंताएं निर्मूल सिद्ध हुईं। और बस फिर क्या था, अगले महीने से ही एक के बाद एक राजभाषा विषयक कई गतिविधियों को नई उड़ान और पहचान मिली। दुर्गापुर में रेल कर्मियों के आश्रित बच्चों के साथ मनीष सर की अनौपचारिक आत्मीयता ने राजभाषा टीम को सदा कल नया करने का संबल प्रदान किया। आसनसोल स्टेशन में हिंदी कार्यशाला का सफल आयोजन हुआ। महाप्रबंधक/पूर्व रेलवे के आसनसोल आगमन पर राजभाषा विभाग द्वारा गीत-संगीत के कार्यक्रम प्रस्तुत करने की हिम्मत मनीष सर ने दी। राजभाषा विषयक फोटो परित्का 'राजभाषा सारथी' जैसी मौलिक सोच को सच करने की प्रेरणा हो या फिर राजभाषा प्रदर्शनी का भव्य आयोजन, अथवा राजभाषा पखवाड़ा के दौरान बहुआयामी सांस्कृतिक गतिविधियों की उत्कृष्ट प्रस्तुति हो-मनीष सर की व्यक्तिगत भागीदारी ने राजभाषा विषयक इन कार्यक्रमों के प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह, स्वच्छता पखवाड़, पर्यावरण सप्ताह जैसे विशेष कार्यक्रमों में भी राजभाषा विभाग ने अपनी पैठ और पहचान बनाई, तो इसका काफी सारा श्रेय हमारे मनीष सर को भी है। राजभाषा टीम को आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि मनीष सर राजभाषा विषयक कार्यक्रमों के आयोजन में सदा की भांति आगे भी हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगे और हमारे साथ खड़े रहेंगे।



हमारे नए अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री चंद्र मोहन मिश्र / वरि. मंडल सुरक्षा आयुक्त :

बड़ा ही अच्छा संयोग है कि मंडल के अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी की कमान लगातार दूसरे सत्र के लिए युवा एवं ऊर्जावान कशल प्रशासक को मिली है। यहाँ खासतौर पर उल्लेखनीय है कि राजभाषा के मंडलीय प्रधान के रूप में साहित्यिक विचारधारा के एक सशक्त व्यक्ति ने जिम्मेदारी संभाली है। हमारा यह सौभाग्य है कि उनके नेतृत्व में विभागीय स्तर पर राजभाषा के विकास को रचनात्मक सहयोग मिलेगा। गत वर्ष की राजभाषा प्रदर्शनी में निर्णायक अधिकारी के रूप में श्री मिश्र की राजभाषा के प्रति सकारात्मक सोच ही यह दर्शा गयी कि भविष्य में राजभाषा की कमान संभालने की क्षमता और जोश-ओ जुनून श्री मिश्र में विद्यमान है। श्री मिश्र साहित्यिक प्रवृत्ति के धनी हैं। कविता के प्रति इनकी विशेष अभिरुचि है, जिसका सफल प्रदर्शन उन्होंने गत वर्ष की कवि-गोष्ठी में किया। हमें पूरा विश्वास है कि आपकी सह्यदयता, आत्मीयता एवं बहुआयामी प्रतिभा के कारण हम राजभाषाकर्मों विभिन्न प्रकार के राजभाषा विषयक आयोजनों/समारोहों को बेहतर ढंग से प्रस्तुत करने में सफल हो पाएंगे।



ईरवो अध्यक्ष श्रीमती स्मिता सरकार एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. वी घटक को सम्मानित करती हुई, साथ में प्रसन्नचित भुद्रा में परिलक्षित भरेप्र श्री सुमित सरकार



विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर विवेकानंद इंस्टीच्यूट में हिंदी गीत प्रस्तुत करती सुश्री आकांक्षा बारी



नवीकृत कू लॉबी/अंडाल का उद्घाटन करते महप्रबंधक/पूरे श्री सुनीत शर्मा, साथ में भरेप्र. श्री सुमित सरकार (02.10.2020)



सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर राजभाषा विभाग द्वारा आयोजित 'हिंदी वाक् प्रतियोगिता' की निर्णायक टीम तत्कालीन अपर मुराधि श्री मनीष, मंकाअधि श्री पी.पी. मुखर्जी, भविप्र. श्री पी.के. मुखोपाध्याय व राधि डॉ. मधुसूदन दत्त



मंडल कार्यालय परिसर में महिला कामिकों के हितार्थ नवनिर्मित 'विश्राम कक्ष एवं चेंज रूम' का उद्घाटन करती वरिष्ठतम महिला कामिक के साथ भरेप्र श्री सुमित सरकार, मंकाअधि श्री एस.के. बसु



सीसीटीवी कैमरा युक्त टावर वैगन का उद्घाटन करते भरेप्र श्री सुमित सरकार, साथ में वमंविट्टीजी/टीआरडी श्री खुशीद अहमद

रेल रश्मि



आसनसोल स्टेशन के पास नवनिर्मित 'रेल्वों ऑन द ह्वील-चायचुन व वाउ भोजन' में महाप्रबंधक श्री सुनील शर्मा व मंत्रि श्री सुमित सरकार



अंडाल प्रशिक्षण केंद्र में 'क्लाउड बेस्ड वेब पोर्टल' का उद्घाटन करते मंत्रि श्री सुमित सरकार



आद्रा मंडल के साथ आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता की विजेता टीम/आसनसोल के खिलाड़ियों को ट्रॉफी देकर सम्मानित करते मंत्रि श्री सुमित सरकार, अन्य अधिकारियों के साथ परिलक्षित वमंडंजी/सम. श्री कोशलेंद्र कुमार व प्रतिभागीगण



विश्व महिला दिवस के अवसर पर यूटीएस काउंटर की महिला रेल कार्मिक को पुष्प-कलिका एवं उपहार देकर सम्मानित करतीं इंरवो अध्यक्ष श्रीमती स्मिता सरकार एवं अन्य प्रतिनिधिगण (08.03.2020)



विद्यासगर स्टेशन के समुन्नत स्वरूप के उद्घाटन समारोह के दौरान बुकिंग काउंटर का शुभारंभ करते माननीय सांसद श्री सुनील सौरन के साथ मंत्रि श्री सुमित सरकार (12.03.2020)

रेल रश्मि



कर्मिकों के हितार्थ चिकित्सा संबंधी 'आसन आयुष एप' को लॉन्च करते मंत्री श्री सुमित सरकार, साथ में परिलक्षित अपर मंत्री, श्री एम.के.मोना, वमंडजी/सम, श्री कौशलेंद्र कुमार, वमंसिदुसंडजी, श्री पाल्दिया, वमंडजी-।। श्री एन.के.वर्मा और सकाधि श्री बी.एन.बनर्जी (03.07.2020)



25 अक्टूबर 2019 को रेल अधिकारी क्लब आसनसोल के नवीनीकृत डाईनिंग हॉल एवं लाउंज का उद्घाटन करती ईरवो अध्यक्ष श्रीमती स्मिता सरकार



स्वागत नृत्य प्रस्तुत करनेवाली नन्हीं कलाकार सुश्री अत्रिजा को पुरस्कृत करते मंत्री श्री सुमित सरकार, साथ में तत्कालीन अपर मुराधि एवं वमंडिप्र, श्री मनीष और राधि डॉ. मधुसूदन दत्त



नृत्य प्रस्तुति हेतु सुश्री ऐतिज्य मित्रा को पुरस्कृत करते मंत्री श्री सुमित सरकार, साथ में तत्कालीन अपर मुराधि श्री मनीष



मंडल स्तरीय हिंदी नाट्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त डीजल शेड के नाट्यकर्मियों को पुरस्कृत करते तत्कालीन अपर मंत्री श्री आर.के. बरनवाल

रेल रश्मि



राजभाषा पखवाड़ा-2019 के दौरान काव्य-पाठ करते वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त श्री चंद्र मोहन मिश्र, मंचासीन आमंत्रित कविगण (16.09.2019)



राजभाषा विषयक प्रतियोगिताओं में निर्णायक की भूमिका में अपना अमूल्य योगदान देने वाले वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक श्री मनीष को सम्मानित करते मंत्री श्री सुमित सरकार, साथ में राधि डॉ. मधुसूदन दत्त (16.09.2019)



राजभाषा पखवाड़ा-2019 का उद्घाटन करते मंत्री श्री सुमित सरकार, साथ में परिलक्षित तत्कालीन अपर मंत्री श्री आर.के.बरनवाल सरकार,



विश्व महिला दिवस के अवसर पर रे.सू.वि.बल. की 18वीं महिला बटालियन कैप/आसनसोल में 'सेनेटरी नेपकिन वॉडिंग मशीन' का उद्घाटन करती ईरवो अध्यक्षा श्रीमती स्मिता सरकार एवं अन्य प्रतिनिधिगण



मंडल स्तरीय हिंदी नाट्य प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त प्रतिभागी नाट्यकर्मियों को सम्मानित करते मंत्री श्री सुमित सरकार



राजभाषा पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता की विजेता टीम को पुरस्कृत करते मंत्री श्री सुमित सरकार, साथ में परिलक्षित तत्कालीन अपर मंत्री एवं वरिष्ठ, श्री मनीष एवं राधि डॉ. मधुसूदन दत्त (16.09.2019)

मंडल रैन प्रबंधक (राजभाषा) कार्यालय, आसनसोल द्वारा प्रकाशित और मॉडर्न बुक पैलेस एण्ड पब्लिशर्स, आसनसोल - 1, (IM) : 9641944911, 8116446080 में मुद्रित। (निःशुल्क वितरण के लिए)